संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 66 सोमवार 06 जनवरी 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

प्राइवेट चैट नहीं देख पाएंगी जांच एजेंसियां

सरकार ला रही नया नियम

नई दिल्ली,05 जनवरी 2025 (ए)। केंद्र सरकार एक नया नियम बनाने जा रही है जिसके तहत सरकारी एजेंसियां जब किसी जांच के दौरान किसी से डिजिटल या कागजी डॉक्यूमेंट जब्त करेंगी तो उन्हें क्या करना है और क्या नहीं, यह तय हो सकेगा। यह नियम इसलिए बनाया जा रहा है ताकि किसी की पर्सनल चैट या जांच से जुड़ी न होने वाली चीजों को जांच में शामिल न किया जाए।केंद्र सरकार जांच एजेंसियों के लिए डिजिटल या कागजी डॉक्यूमेंट को जब्त करने और संभालने के लिए सामान्य दिशानिर्देश तैयार कर रही है।

क्यों बनाया जा रहा है यह नियम ?

यह नियम इसलिए बनाया जा रहा है क्योंकि पहले कई बार ऐसा होता था कि जांच एजेंसियां किसी मामले की जांच के दौरान बहुत सारे डिजिटल डॉक्यूमेंट जब्त कर लेती थीं, जिनमें कई बार प्राइवेट चैट भी शामिल होती थी। इससे लोगों की निजता का हनन होता था।

सुप्रीम कोर्ट में मामला

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने लॉटरी किंग सैंटियागो मार्टिन के आईफोन से सभी डिजिटल रिकॉर्ड्स की रिकवरी पर रोक लगा दी थी। दरअसल, ईडी ने छापेमारी के दौरान मार्टिन के आईफोन के साथ-साथ 12 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की थी। इसके बाद मार्टिन ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया जांच एजेंसी को डिजिटल रिकॉर्ड जब्त करने से रोकने की मांग की। मार्टिन के तर्क दिया कि उनके आईफोन में उनकी पर्सनल चैट हैं, जो उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच से संबंधित नहीं है। मार्टिन को राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उनके मामले की सुनवाई अमेजन द्वारा दायर मामले के साथ जोड़ दी, जिसकी सुनवाई 6 जनवरी को होने वाली है। इस दौरान सरकार द्वारा डिजिटल और अन्य रिकॉर्ड्स की जब्ती पर दिशानिर्देश तैयार करने के संबंध में उठाए गए कदमों का खुलासा होने की संभावना है।

जांच एजेंसियों का पक्ष

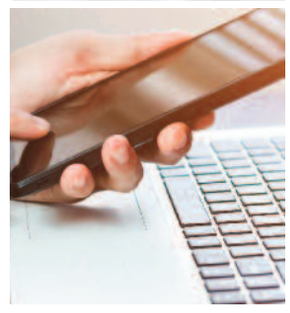

जांच एजेंसियों का तर्क है कि इंटरनेट के दौर में आजकल अपराधी अपनी अपराधिक गतिविधियों के संबंधित डॉक्यूमेंट्स को स्टोर करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए जांच के लिए डिजिटल डॉक्यूमेंट्स को जब्त करना जरूरी है।

महत्वपूर्ण खबर

एडवांस हेलिकॉप्टर क्रैश में 3 लोगों की गई जान

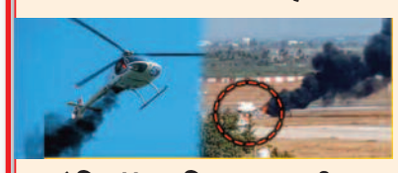

हेलिकॉप्टर निकला भारतीय तटरक्षक बल का

पोरबंदर,05 जनवरी 2025(ए)। पोरबंदर में कोस्टगार्ड के एयर एन्क्लेव में रविवार को एक हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। इस हादसे में हेलिकॉप्टर में सवार सभी तीन लोगों की मौत हो गई। क्रैश के दौरान घायल हुए दो लोगों ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते मे दम तोड़ दिया, जबकि हेलिकॉप्टर से कूदने वाले व्यक्ति की भी मौत हो गई।

महाकुंभ मेले को उड़ाने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली,05 जनवरी 2025(ए)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ मेले को उड़ाने की धमकी देने वाला युवक अब आखिर कार पुलिस की गिरफ्त में पहुंच गया है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने उसे बिहार के पूर्णिया से जिले से गिरफ्तार किया है। 31 दिसंबर को दी गई इस धमकी के बाद यूपी पुलिस ने जांच शुरू की और युवक को पकड़ा। गिरफ्तार युवक का असली नाम आयुष कुमार जायसवाल बताया जा रहा है।

दो पक्षों में हुए पथराव में 5 साल के बच्चे की मौत

अलवर,05 जनवरी 2025(ए)। अलवर के रामगढ़ थाना अंतर्गत करौली खालसा गांव में दो पक्षों में जमकर पथराव हो गया. इसमें एक पक्ष के 5 साल के बच्चे के सिर में पत्थर लगने से मौके पर ही मौत हो गई. उसी पक्ष की बुजुर्ग महिला और एक बच्ची गंभीर रूप से घायल है. इस घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं. बच्चे की मौत के बाद गांव में तनाव के हालात हैं. पुलिस बल तैनात किया गया है. पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज कर पड़ताल शुरू कर दी है.

चार्जिंग में लगे इलेक्ट्रिक स्कूटी हुआ ब्लास्ट

11 साल की बच्ची की मौत,दो घायल

रतलाम,05 जनवरी 2025(ए)। मध्यप्रदेश के रतलाम जिले के लक्ष्मणपुरा क्षेत्र में आज रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां इलेक्ट्रिक स्कूटी में चॉर्जिंग के दौरान विस्फोट होने से एक घर में आग लग गई। इस हादसे में 11 साल की मासूम बच्ची की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।घटना आज सुबह 5 बजे के आसपास हुई, जब भगवती मौर्य के घर पर चॉर्जिंग पर लगी इलेक्ट्रिक स्कूटी में जोरदार विस्फोट हुआ। विस्फोट से घर में आग लग गई, जिससे घर का अधिकांश सामान जलकर राख हो गया।

एनडीए का साथ छोड़कर इंडिया गठबंधन का हिस्सा बनेंगे नीतीश कुमार

पटना,05 जनवरी 2025(ए)। बीते कुछ दिनों से बिहार की सियासत से एक बार फिर सीएम नीतीश कुमार के पाला बदलने की खबरें सामने आ रही है। दावा किया जा रहा था कि नीतीश कुमार को इंडिया गठबंधन की ओर से न्योता दिया गया है। वहीं, अब इस मामले में खुद सीएम नीतीश कुमार ने खुलासा कर दिया है।

दरअसल सीएम नीतीश कुमार रविवार को मुजफ्फर पुर दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि ÷इन लोगों ने कुछ काम नहीं किया है। मैं 2 बार गलती से उनके साथ चला गया। अब मैं पुराने साथियों के साथ वापस आ गया हूंज पहले शाम 6 बजे के बाद कोई नहीं निकलता था। हमने हर जाति धर्म के लिए काम किया है।

सर्जरी के वक्त डॉक्टर को मरीज से हुआ कैंसर

दुनियाभर के डॉक्टर्स हैरान...

नई दिल्ली,05 जनवरी 2025(ए)। कैंसर, एक ऐसा शब्द जिसका ख्याल भर आने से लोग सिहर उठते है। हाल ही में जर्मनी में ऐसा दुर्लभ मामला सामने आया जिसने चिकित्सा जगत को हैरियत में डाल दिया है। दरअसल यहां एक डॉक्टर को उनके मरीज से कैंसर हो गया। अब यह घटना दुनिया भर में चर्चा का विषय बन गया है।

कैसे हुआ यह संभव

रिपोर्ट्स के मुताबिक, जर्मनी में एक सर्जन अपने मरीज के पेट में मौजूद कैंसर ट्यूमर का ऑपरेशन कर रहे थे। इस दौरान, डॉक्टर के हाथ में गलती से कट लग गया। कट को तुरंत डिसइंफेक्ट कर बैंडेज लगाया गया। लेकिन पांच महीने बाद उसी जगह एक गांठ विकसित हो गई। जांच में पता चला कि यह मैलिग्नेंट फायब्रस हिस्टियोसाइटोमा नामक कैंसर था।मरीज के ट्यूमर से निकले सेल्स डॉक्टर के कटे हाथ से उनके शरीर में प्रवेश कर गए थे। आमतौर पर, इम्यून सिस्टम बाहरी सेल्स को खत्म कर देता है, लेकिन इस मामले में डॉक्टर की इम्यूनिटी इसे रोकने में नाकाम रहे। सर्जरी के बाद गांठ का ऑपरेशन कर हटा दिया गया। अच्छी खबर यह है कि दो साल बाद डॉक्टर में कैंसर की पुनरावृत्ति नहीं हुई।यह दुर्लभ घटना चिकित्सा क्षेत्र के लिए एक नई चुनौती और शोध का विषय बन गई है। विशेषज्ञ इस बात की गहराई से जांच कर रहे हैं कि इस प्रकार की घटनाओं को भविष्य में कैसे रोका या बचा जा सकता है।

अब ओयो में कुंवारे युवक-युवतियों को नहीं मिलेगा कमरा

- कंपनी ने बदल दिए नियम,
- क्यों लिया गया ऐसा फैसला

नई दिल्ली,05 जनवरी 2025 (ए)। यात्रा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ओयो ने मेरठ से शुरुआत करते हुए भागीदार होटलों के लिए एक नयी 'चेक-इन' नीति लागू की है। इसके अनुसार,अविवाहित जोड़ों का अब 'चेक-इन' की अनुमति नहीं दी जाएगी। यानी सिर्फ पति-पत्नी ही होटल में कमरा ले सकेंगे। संशोधित नीति के तहत, सभी जोड़ों को 'चेक-इन' के समय अपने रिश्ते का वैध प्रमाण देने के लिए कहा जाएगा। इसमें ऑनलाइन की गई बुकिंग भी शामिल है।

कंपनी ने कहा कि ओयो ने अपने भागीदार होटलों को स्थानीय सामाजिक संवेदनशीलता के साथ तालमेल बिठाते हुए अपने विवेक के आधार पर अविवाहित जोड़ों की बुकिंग को अस्वीकार करने का अधिकार दिया है। ओयो ने मेरठ में अपने भागीदार होटलों को तत्काल प्रभाव से ऐसा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। नीति में हुए बदलाव से परिचित लोगों ने कहा कि जमीनी प्रतिक्रिया के आधार पर, कंपनी इसे और शहरों में विस्तारित कर सकती है। उन्होंने कहा, ''ओयो को पहले भी विशेष रूप से मेरठ में सामाजिक समूहों से इस मुद्दे को हल करने के लिए प्रतिक्रिया मिली थी। इसके अलावा, कुछ दूसरे शहरों के निवासियों ने भी अविवाहित जोड़ों को ओयो होटलों में चेक-इन करने की अनुमति न देने की मांग की है।''

ओयो उत्तर भारत के क्षेत्र प्रमुख पावस शर्मा ने पीटीआई-भाषा को बताया, ''ओयो सुरक्षित और जिम्मेदार आतिथ्य प्रथाओं को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। हम व्यक्तिगत स्वतंत्रता का सम्मान करते हैं, लेकिन साथ ही हम इन बाजारों में कानून प्रवर्तन और नागरिक समाज समूहों की बात सुनने और उनके साथ काम करने की अपनी जिम्मेदारी को भी पहचानते हैं।'' उन्होंने कहा कि कंपनी समय-समय पर इस नीति और इसके प्रभाव की समीक्षा करती रहेगी।

वक्फ की जमीन पर लग रहा महाकुंभ : मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी

बरेली,05 जनवरी 2025(ए)। प्रयागराज में महाकुंभ 2025 की तैयारी अपने अंतिम चरण में है। महाकुंभ मेले में मुस्लिमों के प्रवेश और दुकानें लगाने को लेकर बयानबाजी तेज है।इस बीच उत्तर प्रदेश के बरेली में ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी बड़ा दावा करते हुए महाकुंभ स्थल की जमीन को वक्फ की संपत्ति करार दिया। मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने रविवार को एक बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने कहा कि मुसलमानों ने हमेशा बड़ा दिल दिखाया है और उसके सबूत दिए हैं। उसकी मिसालें भी बहुत सारी मिलेंगी। महाकुंभ मेले में अखाड़ा परिषद, नागा संन्यासियों और स्वामी बाबाओं ने मुसलमानों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया। लेकिन खुद प्रयागराज के जो मुसलमान हैं, उनमें से एक सरताज ने इस बात की जानकारी दी कि जिस जमीन के ज्यादातर हिस्से पर शामियाने और तंबू लगाए गए हैं, वो जमीन वक्त की है और वहां के मुसलमानों की है। ये जमीन लगभग 54 बीघा है। उन्होंने आगे कहा कि इसके बाद भी मुसलमानों की दरियादिली देखिए कि उन्होंने बड़ा दिल दिखाते हुए मेले की तैयारियों पर कोई आपत्ति नहीं की है। मगर अखाड़ा परिषद और दूसरे बाबा लोगों की तंग दिली देखिए कि वे मेले में मुसलमानों के प्रवेश पर पाबंदी लगा रहे हैं।

सेक्स बाजार से 68 लड़के-लड़कियां गिरफ्तार

250 पुलिस कर्मियों ने मारी रेड

भोपाल,05 जनवरी 2025(ए)। भोपाल पुलिस ने शनिवार देर रात कई स्पा सेंटर की आड़ में चल रहे सेक्स रैकेट पर बड़ा एक्शन लिया है। क्राइम ब्रांच ने कई जगहों पर छापेमारी कर 60 से ज्यादा लड़के-लड़कियों को हिरासत में लिया है। वहीं, पुलिस की इस कार्रवाई के बाद स्पा सेंटरों के संचालकों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने बताया कि स्पा सेंटरों की आड़ में हो रहे देह व्यापार की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। उसी के आधार पर शनिवार को छापेमारी की गई है। क्राइम ब्रांच ने बताया कि कमीशन के निर्देशों पर 250 से ज्यादा पुलिसकर्मियों ने स्पा सेंटर की आड़ में चल रहे देह व्यापार के खिलाफ नेहरू नगर, बागसेवनिया और एमपी नगर में छापेमारी की गई। इस दौरान कई लड़के-लड़कियों को आपत्तिजनक स्थित में पकड़ा गया। एयरपोर्ट की घटना क्राइम ब्रांच के अनुसार, शनिवार को छापेमारी के दौरान पकड़े गए 33 युवक और 35 युवतियों को हिरासत में ले लिया गया है। इस मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है ।

13 लाख लूटे,गोली मारी और गाड़ी पर पुलिस का बोर्ड लगा भागे

मास्टरमाइंड सहित 8 गिरफ्तार

रांची,05 जनवरी 2025(ए)। रांची के पंडरा इलाके में 30 दिसंबर को 13 लाख रुपए की लूट और होटल मालिक को गोली मारने की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं। आरोपियों के पास से लूटी गई रकम में से 2 लाख 63 हजार रुपए, कई हथियार और एक एसयूवी बरामद की गई है। वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधियों ने भागने के दौरान एसयूवी पर पुलिस का बोर्ड लगा लिया था। यह जानकारी रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। गिरफ्तार किए गए अपराधियों में रामगढ़ के नयासराय स्थित सीसीएल कॉलोनी निवासी राजेश श्रीवास्तव उर्फ राजेश सिंह, रांची के रातू थाना क्षेत्र अंतर्गत कमड़े निवासी चंद्रशेखर प्रसाद सिन्हा, रांची का लालपुर निवासी संतोष कुमार सिंह, पंडरा थाना क्षेत्र का सर्वेश्वरी नगर निवासी कारू सिंह, सुखदेव नगर का रहने वाला कारू साव, इसी थाना क्षेत्र की पूनम देवी, नीलम देवी और कमड़े निवासी साधना सिंह उर्फ प्रीति सिन्हा शामिल हैं। बताया गया कि इस वारदात का मास्टरमाइंड चंद्रशेखर प्रसाद सिन्हा है, जो पहले आईटीसी कंपनी के विक्रेता के यहां काम करता था। उसे पता था कि कारोबारी का मैनेजर दुकान में सेल से जमा होने वाली राशि लेकर आईसीआईसीआई बैंक की शाखा में जाता है। सोमवार को यह रकम सबसे ज्यादा होती है, क्योंकि उस दिन एक साथ दो दिनों के सेल की रकम जमा होती है। 30 दिसंबर को दिन के करीब 12.15 बजे आईटीसी विक्रेता के मैनेजर सुमित बैंक में पैसा जमा करने पहुंचे थे। सुमित ने अपनी कार की पिछली सीट पर रुपयों से भरा बैग रखा था। जैसे ही वह कार से उतरकर पीछे का दरवाजा खोलने लगे, दो अपराधी पिस्टल लेकर उन पर टूट पड़े। अपराधियों ने सुमित को धमकाते हुए कार के भीतर धकेल दिया और उनसे रुपयों से भरा बैग छीन लिया। घटनास्थल के पास स्थित एक होटल मालिक सुमित, जो मौके पर मौजूद थे, अपराधियों से भिड़ गए। अपराधी उन्हें पेट में गोली मारकर मौके से फरार हो गए थे।

संपादकीय

निर्वाचन आयोग बिल्कुल बेफिक्र

अपने ताजा कदम से आयोग ने यही पैगाम दिया है कि जिसे जो सोचना हो, सोचता रहे-उसे उसकी कोई परवाह नहीं है। जाहिर है, जिस रेफरी को अपनी निष्पक्ष छवि की परवाह हो, वह ऐसा नजरिया नहीं अपना सकता।भारतीय निर्वाचन आयोग की साख पर पहले से कई सवाल हैं, जिन्हें वह सिरे से नजरअंदाज करता आया है। अब उसके एक ताजा कदम से ये सवाल और गहरे होंगे। इस कदम से आयोग ने यही पैगाम दिया है कि जिसे जो सोचना हो, सोचता रहे- उसे उसकी कोई परवाह नहीं है। जाहिर है, जिस रेफरी को अपनी निष्पक्ष छवि की परवाह हो, वह ऐसा नजरिया नहीं अपना सकता। अब आयोग से यह भी पूछा जाएगा कि वह अपने विवेक से ऐसे निर्णय लेता है, इसके लिए उस पर कोई दबाव है? आखिरकार ऐसे प्रश्नों के साथ भारत में चुनावों की विश्वसनीयता और लोकतंत्र का भविष्य जुड़ा हुआ है।ताजा मामले में आयोग ने एक नियम को बदल डाला है। नियम यह था कि अदालत ने अगर आदेश दिया, तो आयोग सार्वजनिक निरीक्षण के लिए अपने पास मौजूद सारे दस्तावेज संबंधित याचिकाकर्ता को देगा। इनमें वीडियो फुटेज भी शामिल हैं। अधिवक्ता महमूद प्राचा ने इसी नियम का सहारा लिया। उन्होंने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में हरियाणा विधानसभा चुनाव से संबंधित वीडियो फुटेज सहित सभी दस्तावेजों की मांग की। हाई कोर्ट ने उनकी गुजारिश मान ली और निर्वाचन आयोग को इन सबको उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इसके बाद आनन-फानन में आयोग ने वो नियम ही बदल डाला। अब प्रावधान किया गया है कि दस्तावेज के तहत वीडियो फुटेज शामिल नहीं होंगे।कारण यह बताया गया कि मूल नियम में ऐसा प्रावधान नहीं था। इस परिवर्तन के पहले राजनीतिक दलों से कोई राय-मशविरा नहीं किया गया। इसलिए विपक्ष के इस आरोप में दम है कि नियम में बदलाव परदादारी के लिए किया गया है। हरियाणा विधानसभा चुनाव के संचालन में- खासकर ईवीएम को लेकर कांग्रेस ने कई गंभीर इल्जाम लगाए थे। वे आरोप सही थे या नहीं, ये बिल्कुल अलग मुद्दा है। मगर कोर्ट का आदेश आने के बाद संबंधित नियम में परिवर्तन ऐसा मामला है, जिससे शक पैदा होना लाजिमी है। चुनावों पर शक और सवालों का घेरा कसता जाए, यह पूरी तरह अवांछित है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि निर्वाचन आयोग उसके ऐसे कदमों से बनने वाली धारणाओं को लेकर बिल्कुल बेफिक्र है।

सर्वोच्च बलिदान के पुण्य प्रतीक दशमेश गुरु गोबिंद सिंह

प्रमोद दीक्षित मलय
बाँदा,उत्तरप्रदेश

भारतवर्ष कर्म की भूमि है और धर्म की भी। इस पावन भूमि का कण-कण दैवीय ऊर्जा से अनुप्राणित है तो वहीं आत्मिक चेतना से उद्भाषित भी। यह पुण्य की तेजोमय अवनि है तो त्याग, बलिदान एवं पराक्रम की उदात्त संवाहक भी। त्यागमूर्ति दशमेश गुरु गोविंद सिंह के शौर्य एवं बलिदान की गाथा हर कंठ का अवलम्बन है। सिख गुरु परंपरा के प्रेरक संत योद्धा गुरु गोबिंद सिंह न केवल सिख पंथ के गुरु एवं उपदेशक हैं अपितु एक समर्थ सिपाही, कवि एवं कुशल सैन्य संगठक भी। उनका जीवन धर्म की रक्षा एवं आतताईयों के विरुद्ध सतत संघर्ष एवं विजय की प्रखर गाथा है।

सिख पंथ के नवम गुरु तेग बहादुर अपने परिवार एवं अनुयायियों के साथ समाज जागरण एवं सामाजिक समरसता के लिए प्रवास हेतु पटना पधारे थे। कुछ समय बाद परिवार को छोड़कर आपको बंगाल एवं असम की यात्रा पर जाना पड़ा। पटना में पौष शुक्ल सप्तमी सम्वत 1723 तदनुसार 22 दिसम्बर, 1666 को बालक गोबिंद राय का जन्म माता गूजरी की कोख से हुआ। कालान्तर में यहां राजा रणजीत सिंह ने एक भव्य गुरुद्वारा बनवाया जिसे आज तख्त श्री हरमंदिर साहिब कहते हैं। यहां पर आज भी बालक गोबिंदराय की खड़ाऊं, चार लोहे के तीर, एक कृपाण सुरक्षित रखे हैं। वह कुआं भी विद्यमान है जिससे माता गूजरी जल निकालती थीं तथा उस देहरी को भी बनाये रखा गया है जिसे लांघ कर गुरु तेग बहादुर पहली बार अंदर प्रवेश किये थे। प्रकाश पर्व में यहां भव्य आयोजन होता है।

असम से वापस आने पर बालक गोबिंद राय से पिता की भेंट हुई। वर्ष 1670 में परिवार पंजाब चला आया और 1672 में शिवालिक की पहाड़ियों के निकट चक्क नानकी स्थान पर रहने लगे, जिसे आजकल आनंदपुर साहिब कहा जाता है। यहीं पर बालक गोबिंद राय की पढ़ाई-लिखाई एवं सैन्य शिक्षा प्रारंभ हुई। आपने फारसी, ब्रज, हिंदी एवं संस्कृत भाषा की दक्षता अर्जित की एवं घुड़सवारी, तलवारबाजी एवं तीर चलाना भी सीखा, साथ ही करुणा, समता, ममता, न्याय का आदर्श भी।आनंदपुर साहिब निवास के दौरान ही औरंगजेब की दुष्टता, हिंसा एवं हिंदुओं के जबरिया धर्म परिवर्तन कराए जाने से पीड़ित कश्मीरी पंडितों का एक समूह गुरु तेग बहादुर से मिला और मुगल शासक औरंगजेब की यातना से बचाने एवं हिंदू धर्म की रक्षा हेतु गुहार लगाई। गुरु तेग बहादुर तत्पर हो अपने पांच साथियों के साथ

औरंगजेब से मिलने दिल्ली पहुंचे। जहां एक षड्यंत्र के तहत चांदनी चैक में 11 नवम्बर, 1675 को सार्वजनिक रूप से गुरु तेग बहादुर का शीश धड़ से अलग कर दिया गया। उल्लेखनीय है, उसी स्थान पर स्थापित गुरुद्वारा शीशगंज श्रद्धालुओं में त्याग एवं बलिदान का भाव अनवरत भर रहा है। तब 29 मार्च, 1676 को बैसाखी के दिन नौ वर्ष की उम्र में गोबिन्द राय गुरु की गद्दी पर विराजमान हुए। इसी दौरान 21 जून, 1677 को आनंदपुर से दस किमी दूर बसंत गढ में आपका विवाह माता अजीत कौर (बीबी जीतो) के साथ सम्पन्न हुआ।

गुरु गोबिंद राय मुगल शासकों के साम्राज्य विस्तार के लिए एक बड़ा अवरोध थे। इस कारण नादौन और भंगाजी में मुगल सूबेदारों के साथ गुरु गोबिंद राय के साथ भयंकर युद्ध हुआ। मुगल पराजित हुए। गुरु सेना की विजय से सैन्य शक्ति का विस्तार और आत्मविश्वास बढ़ा। इसी दौरान बैसाखी के दिन 1699 में गुरु गोबिंद राय ने मुगलों से धर्म एवं राष्ट्र रक्षा के लिए अपने अनुयायियों से पांच बलिदानी शीश मांगे। इस पर पांच जातियों के व्यक्तियों ने एक-एक कर स्वयं को गुरु चरणों में समर्पित कर दिया। ये पांचों वीर पंज प्यारे नाम से जाने गये। गुरु गोबिंद राय ने अमृत छका पंज प्यारों को पहले खालसा बनाया। तब स्वयं छक छठे खालसा बने। खालसा पंथ की स्थापना कर गुरु गोविंद सिंह नाम धारण कर कहा कि जो व्यक्ति मन, विचार एवं कर्म से शुद्ध है वही खालसा है। खालसा पंथ समानता, आत्मसम्मान, निर्भयता, सहनशीलता और जातीय भेदभाव से मुक्त सामाजिक समरसता के दर्शन पर आधारित है। सभी के लिए पंच ककार यथा केश, कंघा, कच्छा, कड़ा और कृपाण रखना अनिवार्य किया गया।

सूबेदारों एवं नवाबों की संयुक्त शक्ति के साथ मुगल सेना ने वर्ष 1704 में आनंदपुर साहिब में घेरा डाला। पर खालसा सेना के शौर्य के आगे उसके मंसूबे धराशाई हो गए। तब मुगल सेनापति ने छल करते हुए 21 दिसम्बर, 1704 को कुरान की कसम खाकर एक चिट्ठी गुरु गोबिंद सिंह को भेजी कि किला खाली कर कहीं सुरक्षित जाने पर मुगल सेना आक्रमण नहीं करेगी। किंतु धोखे से आक्रमण कर दिया। इस अप्रत्याशित हमले में गुरु गोबिंद सिंह का परिवार बिछड़ कर सरहिंद की ओर पहुंच गया और गुरु गोविंद सिंह दो पुत्रों एवं 40 साथियों के साथ चमकौर की ओर निकल गये। सरहिंद के नवाब वाजित खान ने गुरु परिवार को पकड़ जोरावर सिंह 8 वर्ष एवं फतेह सिंह 6 वर्ष को इस्लाम स्वीकार करने का आदेश दिया। पर वीर बालकों के मना कर देने पर क्रूर नवाब ने दोनों बालकों को 27 दिसम्बर, 1704 को दीवार में जिंदा चुनवा दिया। उधर गुरु गोबिंद सिंह को भी लाखों की मुगल सेना ने चमकौर की कच्ची गढ़ी में घेर लिया। दोनों पुत्र जुझार सिंह एवं अजीत सिंह बलिदान हो गए। पंज प्यारों के आज्ञा अनुसार गुरु गोविंद सिंह बचे साथियों के साथ जंगल की ओर निकल गए। पत्नी द्वारा पुत्रों के बारे में पूछने पर सिख सैनिकों की ओर संकेत कर कहा कि इन पुतरन के शीश पर, वार दिए सुत चार। चार मुए तो क्या हुआ, ये जीवित कई हजार। गुरु गोबिंद सिंह ने 14 युद्ध लड़े और विजय श्री का वरण किया।

गुरु गोबिंद सिंह महाराज नांदेड़, महाराष्ट्र में रहकर अनुयायियों का मार्गदर्शन एवं प्रवचन करते रहे। वेश बदलकर आये दो पठानों ने एक दिन मौका पाकर गुरु गोबिंद सिंह पर प्रहार कर घायल कर दिया। अंतिम समय निकट जानकर गुरु ने अनुयायियों को एकत्र कर कहा कि अब कोई देहधारी गुरु नहीं होगा। गुरु ग्रंथ साहिब ही गुरु के रूप में मार्गदर्शन करेंगे। यह कहकर नारियल एवं पांच पैसे गुरु ग्रंथ साहिब को अर्पित कर शीश नवाया। 7 अक्टूबर, 1708 को इस अप्रतिम संत योद्धा ने मां भारती के अंक में स्वयं को समर्पित कर दिया। गुरु गोबिंद सिंह के विचार जोत बन सदैव मार्गदर्शन करते रहेंगे।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

स्वस्थ प्रतिस्पर्धा न होने से डिजिटल लेनदेन का जोखिम

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा

केवल दो प्रमुख खिलाड़ियों के वर्चस्व वाला बाजार स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में बाधा डालता है, उभरते बाजार में प्रवेश करने वालों द्वारा नवाचार और नई सुविधाओं या भुगतान सेवाओं के विकास को हतोत्साहित करता है। फोनपे और गूगल पे की बाजार में जबरदस्त मौजूदगी ने पेटीएम जैसे छोटे प्रतिस्पर्धियों के लिए विकास करना और बाजार में अभिनव समाधान लाना मुश्किल बना दिया है, जिससे संभावित प्रगति रुक गई है। विदेशी स्वामित्व वाले टीपीएपी का प्रभुत्व डेटा सुरक्षा, उपयोगकर्ता गोपनीयता और भारतीय नागरिकों की संवेदनशील वित्तीय जानकारी तक संभावित पिछले दरवाजे से पहुंच से संबंधित जोखिम पेश करता है। वॉलमार्ट द्वारा फोनपे और गूगल द्वारा गूगल पे का विदेशी स्वामित्व व्यक्तिगत वित्तीय डेटा की सुरक्षा और विदेशी संस्थाओं द्वारा अनधिकृत पहुँ की संभावना पर चिंताएँ बढ़ाता है।

भारत में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस का उदय परिवर्तनकारी रहा है, नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में यूपीआई लेनदेन 11.5 बिलियन से अधिक हो गए, जिनका मूल्य ₹26.9 लाख करोड़ था। हालाँकि, दो थर्ड पार्टी ऐप प्रोवाइडर्स फोनपे और गूगलपे के बीच बाज़ार का संकेन्द्रण यूपीआई लेनदेन के 80 प्रतिशत से अधिक को नियंत्रित करता है, जो चिंता का विषय है। यूपीआई के उदय ने व्यापक रूप से अपनाए जाने के माध्यम से भारत में डिजिटल भुगतान में क्रांति ला दी है।यूपीआई ने तेजी से बड़े पैमाने पर अपनाना प्राप्त किया है, भारत में सभी डिजिटल लेनदेन का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा यूपीआई का है, जिसने भुगतान परिदृश्य को बदल दिया है। अगस्त 2024 में, यूपीआई ने ₹20.60 लाख करोड़ से अधिक के लेनदेन संसाधित किए, जो भारत के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में इसके व्यापक उपयोग और अपनाने को दर्शाता है। यूपीआई उपयोगकर्ताओं के लिए शून्य शुल्क प्रदान करता है, जिससे भारत की आर्थिक रूप से विविध आबादी के लिए डिजिटल लेनदेन किफ़ायती और अत्यधिक सुलभ हो जाता है। यूपीआई का लागत-मुक्त मॉडल ग्रामीण क्षेत्रों में व्यक्तियों को बिना किसी चिंता के डिजिटल भुगतान प्रणाली तक स्वतंत्र रूप से पहुँचने और उसका उपयोग करने की अनुमति देता है। यूपीआई ने डिजिटल भुगतान स्वीकार करने के लिए एक आसान, लागत-प्रभावी और स्केलेबल तरीका प्रदान करके छोटे विक्रेताओं, व्यवसायों और उद्यमियों को महत्वपूर्ण रूप से सशक्त बनाया है। भारत भर में स्ट्रीट वेंडर, छोटे व्यापारी और किराना स्टोर अब डिजिटल भुगतान स्वीकार करने के लिए यूपीआई का उपयोग करते हैं। यूपीआई ने पहले से बैंकिंग सेवाओं से वंचित आबादी को औपचारिक वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में प्रभावी रूप से लाकर वित्तीय समावेशन को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लाखों ग्रामीण और वंचित भारतीय यूपीआई के माध्यम से महत्वपूर्ण डिजिटल वित्तीय सेवाओं तक पहुँचने में सक्षम हुए हैं, जिससे ऐतिहासिक रूप से कम बैंकिंग पहुँच वाले क्षेत्रों में अधिक आर्थिक भागीदारी को बढ़ावा मिला है। यूपीआई ने सरकारी सेवाओं के साथ एकीकृत एक सुरक्षित, विश्वसनीय और सुविधाजनक प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करके डिजिटल भुगतान में महत्वपूर्ण सार्वजनिक विश्वास विकसित किया है। दो थर्ड पार्टी ऐप प्रदाताओं के बीच बाजार एकाग्रता महत्वपूर्ण जोखिम पैदा करती है। कुछ खिलाड़ियों की उच्च बाजार एकाग्रता महत्वपूर्ण प्रणालीगत जोखिम पैदा करती है, जहां सेवाओं में किसी भी व्यवधान का पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर व्यापक, व्यापक प्रभाव हो सकता है। उदाहरण के लिए अगर फोनपे या गूगल पे में अचानक कोई तकनीकी खराबी आ जाती है, तो इससे 80 प्रतिशत तक यूपीआई लेनदेन बाधित हो सकता है, जिससे राष्ट्रीय स्तर पर व्यवधान और घबराहट पैदा हो सकती है। केवल दो प्रमुख खिलाड़ियों के वर्चस्व वाला बाजार स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में बाधा डालता है, उभरते बाजार में प्रवेश करने वालों द्वारा नवाचार और नई सुविधाओं या भुगतान सेवाओं के विकास को हतोत्साहित करता है। फोनपे और गूगल पे की बाजार में जबरदस्त मौजूदगी ने पेटीएम जैसे छोटे प्रतिस्पर्धियों के लिए विकास करना और बाजार में अभिनव समाधान लाना मुश्किल बना दिया है, जिससे संभावित प्रगति रुक गई है। विदेशी स्वामित्व वाले टीपीएपी का प्रभुत्व डेटा सुरक्षा, उपयोगकर्ता गोपनीयता और भारतीय नागरिकों की संवेदनशील वित्तीय जानकारी तक संभावित पिछले दरवाजे से पहुंच से संबंधित जोखिम पेश करता है। वॉलमार्ट द्वारा फोनपे और गूगल द्वारा गूगल पे का विदेशी स्वामित्व व्यक्तिगत वित्तीय डेटा की सुरक्षा और विदेशी संस्थाओं द्वारा अनधिकृत पहुँ की संभावना पर चिंताएँ बढ़ाता है। बाज़ार हिस्सेदारी की सीमा लागू करने में लंबे समय तक की गई देरी ने दो प्रमुख तपाप को अपना नियंत्रण मज़बूत करने का मौक़ा दिया है, जिससे एक अधिक प्रतिस्पर्धी और गतिशील यूपीआई पारिस्थितिकी तंत्र उभरने से रोका जा सकता है। फोनपे और गूगल पे का प्रभुत्व क्षेत्रीय ज़रूरतों या प्राथमिकताओं को अनदेखा कर सकता है,जिससे स्थानीय समाधानों के लिए गति प्राप्त करना मुश्किल हो जाता है। क्षेत्रीय भाषाओं या स्थानीय व्यावसायिक ज़रूरतों के लिए तैयार किए गए यूपीआई ऐप अक्सर गूगल पे और फोनपे जैसे स्थापित बाज़ार नेताओं के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए संघर्ष करते हैं। प्रमुख पेटीएम और एक्सिस बैंक थर्ड पार्टी एप्लिकेशन प्रोवाइडर के लिए बाज़ार हिस्सेदारी पर सीमा निर्धारित करने से बेहतर प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित हो सकती है और प्रणालीगत जोखिम कम हो सकते हैं। फोनपे और गूगल पे की बाज़ार हिस्सेदारी को 30 प्रतिशत तक सीमित करने के भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के पहले के प्रयास बाज़ार प्रभुत्व को संतुलित कर सकते हैं। भारतीय स्वामित्व वाले पेटीएम और एक्सिस बैंक थर्ड पार्टी एप्लिकेशन प्रोवाइडर का समर्थन करने से विदेशी खिलाड़ियों पर निर्भरता कम हो सकती है और नियामक निगरानी में सुधार हो सकता है। स्थानीय ऐप या सार्वजनिक-निजी भागीदारी के लिए फंडिंग जैसी पहल भारतीय पेटीएम और एक्सिस बैंक थर्ड पार्टी एप्लिकेशन प्रोवाइडर को अधिक प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा करने में मदद कर सकती है। फेलसेफ मैकेनिज्म विकसित करना और अतिरेक सुनिश्चित करना सिस्टम विफलताओं के प्रभाव को कम कर सकता है। यूपीआई ऐप्स के लिए बैकअप सर्वर बनाने से आउटेज या तकनीकी कठिनाइयों के दौरान सेवा में रुकावट को रोका जा सकता है। छोटे खिलाड़ियों को अनुदान या सब्सिडी प्रदान करने से नए विचारों को बढ़ावा मिल सकता है और दी जाने वाली सेवाओं की सीमा बढ़ सकती है। सरकार के नेतृत्व वाली नवाचार चुनौतियाँ छोटे डेवलपर्स को नए भुगतान समाधान पेश करने के लिए प्रोत्साहित कर सकती हैं जो विशिष्ट बाजारों को पूरा करते हैं। मजबूत डेटा गोपनीयता कानून लागू करने से उपयोगकर्ताओं की व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी को संभावित दुरुपयोग से बचाया जा सकेगा।

शानदार लोकप्रियता हासिल की मुस्कान केशरी

मुजफ्फरपुर,05जनवरी 2025। मुस्कान केशरी जी को कई सम्मानों से सम्मानित किया गया। पूरे भारत के अलग-अलग जगहों से मुस्कान केशरी को आमंत्रित और सम्मानित किया गया। उन्होनें मुजफ्फरपुर, पूसा, पटना, नवादा, राजगीर, गया, लखनऊ, वाराणसी, गहमर, सम्भल, गोला गोलकानाथ, अयोध्या में अपनी बेहतरीन प्रस्तुति दी, इसके अलावा उनके द्वारा चलाए जा रहे निशुल्क साहित्यिक पब्लिकेशन द्वारा कई पुस्तकों को प्रकाशित किया गया। जिसमें सबसे अधिक लोकप्रियता हासिल करने वाली पुस्तकें रही वीणावादिनी माँ सरस्वती स्तुति संग्रह, राशन की दुकान, आशा पल्लव, स्याही के सुमन, साहित्य संगम, शिक्षक संगम, मेरी डायरी (तुम्हारे जाने के बाद), सृजन की अग्रणी महिलाएँ-महिलाओं का अद्वितीय योगदान, रंगारंग जीवन और प्राकृतिक सौंदर्य। प्रामन्द जोगेश जी को सौलहा हजार की प्रोत्साहन राशि प्राप्त हुई। इसके साथ ही साथ दो राष्ट स्तरीय कवि सम्मेलन व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुस्कान केशरी जी एक प्रतिभावान बिहार की बेटी है इसलिए इन्हें यूथ आईकॉन माना जाता है।

भारत की राजनीति को भाई-भतीजावाद से मुक्ति कैसे

नए साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक प्रमुख लक्ष्य राजनीति को परिवारवाद से मुक्ति दिलाने का होना चाहिए। उन्होंने बड़ी प्रतिबद्धता के साथ यह लक्ष्य तय किया है। परंतु मुश्किल यह है कि राजनीति की ऊपर से नीचे तक सफाई करने और राजनेताओं के ऊपर लंबित मुकदमों को प्राथमिकता के साथ निपटा कर राजनीति को अपराध मुक्त करने का लक्ष्य भी उन्होंने इतनी ही प्रतिबद्धता के साथ तय किया था।बनाने के मामले में अव्वल नहीं है तो किसी से पीछे भी नहीं है। तभी राजनीति को परिवारवाद से मुक्त करने की उनकी प्रतिबद्धता को लेकर भी सवाल उठते हैं और ऐसा लगता है कि भाई-भतीजावाद से भारतीय राजनीति को मुक्ति दिलाने से उनका मतलब सिर्फ नेहरू गांधी परिवार या उनके साथ राजनीतिक गठजोड़ करने वाले कुछ अन्य परिवारों को राजनीति में हाशिए पर ले जाना या उनको चुनाव हराना है। इसके बावजूद अगर नए साल के दूसरे दिन हम इस सवाल पर चर्चा कर रहे हैं कि भारत की राजनीति को भाई-भतीजावाद से मुक्ति कैसे मिलेगी तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के घोषित लक्ष्य के साथ साथ इसका एक दूसरा कारण यह है कि सुप्रीम कोर्ट के नए चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने भारत की शीर्ष न्यायपालिका को परिवारवाद से मुक्ति दिलाने की योजना बनाई है। हालांकि अभी तक इस बारे में आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है लेकिन जो खबर आई है उसके मुताबिक चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा है कि हाई कोर्ट्स और सुप्रीम कोर्ट में ऐसे लोगों को जज नहीं बनाया जाएगा, जिनके परिवार के लोग जज रहे होंगे।बताया जा रहा है कि उन्होंने हाई कोर्ट्स की कॉलेजियम को निर्देश भेजा है कि वे ऐसे वकीलों के नाम जज के लिए नहीं भेजें, जिनके परिवार के लोग जज रहे हों। उन्होंने यह भी कहा है कि पहली पीढ़ी के वकीलों में जो अच्छा कर रहे हों उनके नाम की सिफारिश की जाए। इसका मतलब है कि उच्च अदालतों की

कॉलेजियम से हाई कोर्ट में जज बनने के लिए पहली पीढ़ी के वकीलों या निचली अदालत के पहली पीढ़ी के जजों के नाम की ही सिफारिश की जाएगी। जब चीफ जस्टिस ने उच्च अदालतों की कॉलेजियम को यह निर्देश दिया है तो निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम भी इस सिद्धांत पर काम करेगी और पहली पीढ़ी के वकीलों या उच्च अदालतों के पहली पीढ़ी के जजों के नाम की सिफारिश ही सुप्रीम कोर्ट के जज के लिए करेगी। यह बहुत बेहतरीन और न्यायपालिका की शुचिता और उसके गौरवशाली भविष्य के प्रति आश्वस्ति दिलाने वाली पहल है। इसके बारे में जानना इसलिए भी बहुत सुखद अनुभूति देने वाला है क्योंकि चीफ जस्टिस संजीव खन्ना खुद ही ऐसे परिवार से आते हैं, जिस परिवार के लोग हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जज रहे हैं। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना के पिता जस्टिस देवराज खन्ना दिल्ली हाई कोर्ट में जज थे और उनके चाचा जस्टिस हंसराज खन्ना सुप्रीम कोर्ट में जज थे।जस्टिस हंसराज खन्ना अपने जीवन काल में ही लीजेंड बन गए थे। उन्होंने इमरजेंसी के समय एडीएम जबलपुर केस में यह फैसला लिखा था कि कोई भी सरकार या कोई भी कानून किसी व्यक्ति से सम्मान से जीने का अधिकार नहीं छीन सकता है क्योंकि यह अधिकार व्यक्ति को किसी संविधान ने नहीं दिया है,बल्कि संविधान की व्यवस्था के पहले से व्यक्ति इस अधिकार के साथ पैदा होता है।पांच जजों की बेंच में वे अकेले जज थे,जिन्होंने यह फैसला लिखा था और इसकी कीमत उन्हें चीफ जस्टिस की कुर्सी से महरूम होकर चुकानी पड़ी थी। फैसले से नाराज इंदिरा गांधी ने वरिष्ठता में नंबर दो जज हंसराज खन्ना की बजाय चौथे नंबर के जज एमएच बेग को चीफ जस्टिस बनाया और विरोध में जस्टिस खन्ना ने इस्तीफा दे दिया था। सो, इसे प्रकृति का न्याय कह सकते हैं कि जस्टिस हंसराज खन्ना के भतीजे संजीव खन्ना देश के चीफ जस्टिस बने हैं और उन्होंने यह पहल की है कि जजों के परिजनों के नाम की सिफारिश जजशिप के लिए नहीं की जाएगी।उन्होंने एक दूसरी पहल भी है कि और वह भी बहुत शानदार है। बताया जा रहा है कि उन्होंने तय किया है कि हाई कोर्ट्स या सुप्रीम कोर्ट में जज के लिए किसी के नाम की सिफारिश करने से पहले कॉलेजियम उससे मिलेंगे और बात करेंगे। जिसे जज बनाया जाना है उससे मिलना और उसके विचारों को समझने का प्रयास करना एक बेहद जरूरी पहल है, जो चीफ जस्टिस संजीव खन्ना करते दिख रहे हैं। ध्यान रहे पिछले कुछ समय से देश की उच्च न्यायपालिका की इस बात के लिए आलोचना होती रही है कि जजों की नियुक्ति और तबादले के लिए कॉलेजियम की व्यवस्था इसलिए बनाए रखी गई है ताकि जजों के बच्चों को जज बनाया जा सके। नरेंद्र मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में लाए गए राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग के गठन के कानून को अदालत द्वारा खारिज किए जाने को इसी नजरिए से देखा जाता है।इस धारणा को बदलने और न्यायपालिका को भाई-भतीजावाद से मुक्त करने की लिए चीफ जस्टिस ने जो पहल की है उसी से यह विचार उठा है कि क्या इसी तरह से राजनीति को भाई-भतीजावाद से मुक्त किया जा सकता है? क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इससे सूत्र पकड़ कर आगे बढ़ सकते हैं? राजनीति और न्यायपालिका का मामला निश्चित रूप से बिल्कुल अलग है लेकिन इसे आधार बना कर एक छोटी पहल तो निश्चित रूप से की जा सकती है।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि एक लाख युवाओं को राजनीति में लाना है और उन्हें आगे के लिए तैयार करना है। उन्होंने लाल किले से अपने भाषण में यह बात कही थी और उसके बाद से करीब पांच महीने बीत गए हैं। लेकिन ऐसा कहीं दिख नहीं रहा है कि भाजपा पढ़े लिखे, आदर्शवादी और जन कल्याण के लिए प्रतिबद्ध युवाओं की पहचान करके उनको राजनीति में आगे बढ़ाने की कोई पहल कर रही है। इसलिए प्रधानमंत्री की बात अभी तो धरातल पर उतरने वाली नहीं दिख रही है। लेकिन जिस तरह की पहल चीफ जस्टिस ने सुप्रीम कोर्ट में की है उस तरह की पहल प्रधानमंत्री मोदी सरकार में कर सकते हैं। वे इस बात से शुरुआत कर सकते हैं कि जिन लोगों के पिता या परिवार के दूसरे सदस्य राज्य या केंद्र में मंत्री रहे हैं उनको मंत्री नहीं बनाया जाएगा। यानी जिस तरह से न्यापालिका में पीढ़ी दर पीढ़ी लोग जज होते रहे हैं और उसे रोकने का प्रयास हो रहा है उसी तरह पीढ़ी दर पीढ़ी मंत्री हो रहे लोगों को राजनीति में रोका जाए। यह एक छोटी शुरुआत होगी लेकिन इसका संदेश बहुत बड़ा होगा। अगर यह सुनिश्चित कर दिया जाए कि जिनके परिवार का कोई सदस्य मंत्री रहा है वह मंत्री नहीं बनेगा और जिनके परिवार के लोग मुख्यमंत्री रहे हैं वे मुख्यमंत्री नहीं बन सकते हैं तो यह भारतीय राजनीति में परिवारवाद के अंत की शुरुआत हो जाएगी। इससे नए लोगों में या पहली पीढ़ी के राजनेताओं में बेहतर करने की आकांक्षा जगेगी, प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और अच्छे लोग राजनीति की ओर आकर्षित होंगे। यह प्रधानमंत्री का विशेषाधिकार होता है और इसमें कोई संवैधानिक प्रावधान बाधा भी नहीं बनेगा।इसके बाद सभी पार्टियां इस सिद्धांत को लागू कर सकती हैं। कानून बना कर रोकने की बजाय पार्टियां यह परंपरा बना सकती हैं कि पहले मंत्री रहे लोगों के परिवार से किसी को मंत्री नहीं बनाएंगी और सांसदों व विधायकों के परिवार के सदस्यों को चुनाव लडने् की टिकट नहीं देंगी। हालांकि यह एक आदर्श की बात है और राजनीति व आदर्श एक दूसरे के विरोधी विचार हैं, इसलिए बहुत उम्मीद तो नहीं की जा सकती है। परंतु प्रधानमंत्री मोदी प्रतिबद्धता जता रहे हैं और चीफ जस्टिस ने एक पहल की है तो नए साल के मौके पर उम्मीद जताने में कोई समस्या भी नहीं है।

-अजीत द्विवेदी-

कविता
चिंतन भोले का

घटती-घटना

कार्तिकेय कुमार
गांधीनगर,इंदौर
मध्यप्रदेश

कर लें चिंतन हम भोले का,
भोले पार लगाएंगे,
जीवन की फाका-मस्ती में,
भोले की धुन गाएंगे।
कर लें चिंतन ....
भटक रहे अपने लक्ष्यों से,
अहम की चारदिवारी में,
प्रेम,भक्ति की सुध ले लें,
जुड़ जाएंगे भोले से।
कर लें चिंतन ....
नयन झुकाकर जब देखेंगे,
अपने कर्मों की क्यारी,
या छलकेंगे आंसू तेरे,
या भोले को पाएंगे।
कर लें चिंतन ....
इसीलिए कहते जीवन में,
राग-द्वेष से दूर रहो,
भोले से सब लेते हो तो,
देने से मत दूर रहो।
कर लें चिंतन ...
आओ सारे जन मिलकर अब,
प्रेम की अलख जला लें हम,
है भोले की भोली सूरत,
बस उसकी धुली लगालें हम।
कर लें चिंतन ....
कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
सी स्पेशल, गांधीनगर, इन्दौर

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

7 जनवरी को होगा मां महामाया मंदिर के भव्य प्रवेश द्वार का उद्घाटन

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,05 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

मां महामाया मंदिर का प्रवेश द्वार अब पूरे तरीके से आकर ले चुका है और लगभग बनकर तैयार हो गया है। महामाया मंदिर के प्रवेश द्वार का भव्य रूप से उद्घाटन किया जाना है। उद्घाटन को लेकर महापौर डाक्टर अजय तिर्की ने बताया कि प्रवेश द्वार का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, 7 जनवरी को दोपहर 12 बजे पूर्व उपमुख्यमंत्री टी एस सिंह देव,सांसद चिंतामणि महाराज,अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल सहित सभी पार्षद व शहर के वरिष्ठ नागरिकों की उपस्थिति में प्रवेश द्वार का भव्य रूप से उद्घाटन किया जाएगा। मां महामाया मंदिर के प्रवेश द्वार को लेकर भाजपा नेता भारत सिंह सियोदिया अग्रणी भूमिका में रहे। श्री सिसोदिया के अथक प्रयास एवं आंदोलन के बाद अंततः शासन से प्रवेश द्वार को लेकर 48 लाख रुपए की राशि स्वीकृत हुई और फिर काफी लंबे अरसे बाद प्रवेश द्वार अब पूरी तरह से आकर ले चुका है और इसका उद्घाटन 7 जनवरी को भव्य रूप से करने की योजना है। गौरतलब है कि मां महामाया मंदिर के प्रवेश द्वार को सर्वप्रथम जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री राजीव अग्रवाल के पिता समाजसेवी स्वर्गीय सीताराम अग्रवाल ने बनवाया

था।जिसे सडक़ चौड़ीकरण के नाम पर नगर निगम के द्वारा तोड़ दिया गया था। इसके पश्चात नगर निगम ने स्वयं के ब्यय से लोहे का प्रवेश द्वार बनाया था जिसे पुनः सडक़ चौड़ीकरण के नाम पर फिर से तोड़ दिया गया था।निर्माण के नाम पर समय-समय पर तोड़े जाने के बाद कई महीनो तक प्रवेश द्वार नहीं बन पाया था।

प्रवेश द्वार निर्माण को लेकर मां महामाया मंदिर प्रवेश द्वार निर्माण समिति का गठन किया गया और स्वयं के पैसे से निर्माण कराने का निर्णय लिया गया था,इसके लिए समिति द्वारा कई बार आंदोलन भी किया गया। इसी बीच भाजपा समर्थित 20 पार्षदों के द्वारा भी एक-एक लाख रुपए पार्षद निधि से स्वेच्छा अनुदान देने की घोषणा की गई थी। इसी बीच मां महामाया मंदिर प्रवेश द्वार निर्माण समिति द्वारा डब्बा लेकर राशि संग्रहित करने सडक़ पर निकला गया,जिसके पहले दिन ही 10 हजार रुपए राशि संग्रहित हुई थी। इसके बाद कांग्रेस भी एक्टिव हुई और तब गरमागरमी के बीच समझौते के टेबल पर बैठा गया और फिर नगर निगम में बैठक हुई,तब सभी 48 पार्षदों द्वारा एक-एक लाख रुपये अनुदान देने से प्रवेश द्वार बनना तय हुआ,उसमें भी काफी विलंब हुआ।फिर इसी बीच पता लगा कि पार्षद निधि से इसमें निर्माण नहीं कर सकते,इसके बाद प्रवेश द्वार निर्माण को लेकर शासन को प्रस्ताव गया और फिर स्वीकृति भी मिल गई और फिर लंबे अंतराल के बाद निर्माण कार्य शुरू हुआ।अब वर्तमान में प्रवेश द्वार पूरी तरह से आकार ले चुका है,इसके उद्घाटन को लेकर नगर निगम द्वारा भव्य रूप से तैयारी की जा रही है। समिति इस चौक को महामाया चौक के नाम से भी नामकरण किए जाने की भी मांग कर रही है।

शादी करने का झांसा देकर युवती से बलात्कार, 50 हजार रुपए भी ठगे

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,05 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

युवक ने पहले युवती को प्रेम जाल में फंसाकर शादी करने का झांसा देकर कई बार बलात्कार किया। इसके बाद घर बनाने के लिए मदद के रूप में 50 हजार रुपए लिए। रुपए लेने के बाद युवक युवती से शादी करने से इंकार कर दिया। पीड़िता ने मामले की रिपोर्ट रघुनाथपुर चौकी में दर्ज कराई थी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार रामजीत नागपाल गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम सरगवां का रहने वाला है। इसकी जान पहचान एक युवती से वर्ष 2023 में हुई थी। वह युवती से अक्सर मोबाइल से बातचीत करता था और प्रेम करने की बात करता था। युवक अपने आप को बिना शादीशुदा बताकर युवती से शादी करने का झांसा देकर 26 दिसंबर 2023 को पीड़िता को अपने रिश्तेदार के सूने मकान में लेजाकर बलात्कार किया। इसके बाद शादी करने का आश्वासन देता रहा और युवती से कई बार बलात्कार किया। 18 अगस्त 24 को पीड़िता शादी करने की बात कही तो वह कहा कि पहले घर बनाना है इसके बाद शादी करूंगा। युवक ने पीड़िता से घर बनाने के लिए 50 हजार रुपए भी मांगा। इसके बाद युवत युवती से शादी करने से इंकार कर दिया। पीड़िता ने मामले की रिपोर्ट 4 जनवरी को रघुनाथपुर चौकी में दर्ज कराई थी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 376 (2) (एन), 420, 506 के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

युवती का मोबाइल लूटकर बाइक सवार दो युवक हुए फरार

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,05 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर. शहर के जेल रोड स्थित गुरुद्वारा के पास से रविवार की सुबह बाइक सवार दो बदमाशों ने एक युवती का मोबाइल लूटकर फरार हो गए। युवती ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार सोनामती ग्राम बेलकछ थाना रमकोला की रहने वाली है। वह अंबिकापुर स्थित गंगापुर में रहकर मजदूरी करती है। वह रविवार की सुबह करीब 9 बजे पैदल अपने किराए के मकान गंगापुर से प्रतिक्षा बस स्टैंड होते हुए चिलम चौक मजदूरी करने जा रही थी। इस दौरान जेल रोड स्थित गुरुद्धारा के पास मोबाइल पर भाई का फोन अया। वह मोबाइल से बात कर रही थी तभी प्रतिक्षा बस स्टैंड की ओर से बाइक सवार दो युवक युवती के समीप पहुंचे और उसके हाथ से मोबाइल लूटकर भाग गए। युवती चिल्लाते हुए पीछा की पर बाइक सवार तेज रफ्तार में पुराना बस स्टैंड की ओर फरार हो गए। युवती ने मामले की रिपोर्ट कातवाली में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

पश्चिमी विक्षोभ के कारण तापमान में मामूली वृद्धि पर ठंड से राहत नहीं

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,05 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

पिछले चार दिनों से पड़ रही कड़ाके की ठंड के बीच शनिवार से न्यूनतम तापमान में मामूली वृद्धि दर्ज की जा रही है। शनिवार व रविवार का न्यूनतम तापमान 6 डिग्री के करीब है। इसका कारण पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता बताया जा रहा है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तर से आ रही शुष्क हवाओं में हल्की ब्रेक लही है। इस लिए दिन में ठंड से राहत महसूस किया जा रहा है। वहीं शाम होते ही कड़ाके की ठंड जारी है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिम विक्षोभ के कारण आने वाले दो से तीन दिनों में आसमान में बादलों की सक्रियता देखी जा सकती है। इससे तापमान में हल्की वृद्धि दर्ज की जा सकती है। नए साल की शुरूआत से ही सरगुजा संभाग में शीतलहर पड़ रही थी। लोग ठंड से ठिठुर रहे थे। तापमान गिरकर 5.4 डिग्री तक पहुंच गया था। ठंड से दिन में भी राहत नहीं थी। वहीं पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से तापमान में 1 डिग्री की वृद्धि होने से ठंड से मामूली राहत मिली है। तेज धूप निकलने से ठंड का असर दिन में कम रहा। वहीं शाम होते ही कनकनी ठंड शुरू हो जा रही है।पाट इलाकों में अभी भी कड़ाके की ठंड जारी है। सरगुजा के मैनपाट व बलरामपुर के सामरी पाट में ठंड से दिन में भी राहत नहीं है। वहीं अन्य क्षेत्रों में पश्चिमी विक्षोभ के कारण ठंड से हल्की राहत है। वहीं अधिकतम तापमान में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। अधिकतम तापमान बढक़ 26 डिग्री से अधिक पहुंच गया है। इससे दिन में ठंड से राहत है।

चार दिनों का तापमान

दिनांक	अधि.	न्यू
5 जनवरी	26.0	6.3
4 जनवरी	25.0	6.2
3 जनवरी	23.9	5.4
2 जनवरी	23.5	5.4

मुरली मनोहर सोनी सूरजपुर भाजपा के नए जिलाध्यक्ष बने

» जिला संगठन चुनाव अधिकारी चंपादेवी पावले ने की घोषणा

» भाजपा कार्यालय में जमकर आतिशबाजी व ढोल नगाड़े से नए भाजपा जिलाध्यक्ष का हुआ स्वागत

- संवाददाता -
सूरजपुर,05 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

सूरजपुर भाजपा के मुरली मनोहर सोनी नए जिलाध्यक्ष घोषित किए गए। श्री मुरली सोनी के भाजपा जिलाध्यक्ष घोषित होते ही मंचासीन अतिथियों ने फूल मालाओं से स्वागत किया। भाजपा कार्यालय मे जमकर आतिशबाजी व ढोल नगाड़े के साथ नए जिलाध्यक्ष का अभिनंदन स्वागत किया गया।आज यहाँ संगठन महापर्व के कार्यक्रम के तहत नए जिलाध्यक्ष के निर्वाचन प्रक्रिया जिला भाजपा कार्यालय अटल कुंज मे जिला चुनाव अधिकारी श्रीमती चंपा देवी पावले, पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा, कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक भूलन सिंह पैकरा, भाजपा जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल, प्रदेश मंत्री परमेश्वरी राजवाड़े, वरिष्ठ भाजपा नेता भीमसेन अग्रवाल, पूर्व विधायक रजनी रविशंकर त्रिपाठी, पूर्व जिलाध्यक्ष रामकृपाल साहू की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुई।

गत तीन माह से अधिक समय तक भाजपा पूरे जिले मे संगठन महापर्व के तहत सदस्यता महाभियान के तहत रिकॉर्ड लगभग डेढ़ लाख से अधिक सदस्य बनाए तथा तीन हजार से अधिक सक्रिय सदस्य बनाए गए। संगठन चुनाव की प्रक्रिया बूथ स्तर पर संपन्न होने के बाद सभी चौदह मंडलो मे मंडल अध्यक्ष चयन की प्रक्रिया संपन्न होने के बाद जिलाध्यक्ष के चयन हेतु रायशुमारी की बैठक आयोजित की गई थी जिसमें आधा दर्जन से अधिक कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष की दावेदारी की थी। जिसका पैनल तैयार प्रदेश कोर ग्रुप से चर्चा उपरांत राष्ट्रीय नेतृत्व के अनुशंसा पश्चात जिलाध्यक्ष का नाम फाइनल किया गया। जिलाध्यक्ष चयन की प्रक्रिया को पूरी तरह से गोपनीय रखा गया था इसलिए अंतिम समय तक कोई भी व्यक्ति जिलाध्यक्ष के नाम का अनुमान नहीं लगा पाया था। जिला चुनाव अधिकारी चंपादेवी पावले ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है हम सब परिवार के सदस्य हैं यहाँ परिश्रम करने वाले कार्यकर्ता को जवाबदारी सौंपी जा रही है। उन्होंने कहा कि बहुत से कार्यकर्ता अपनी इच्छा व्यक्त किए थे लेकिन संगठन का निर्णय सर्वोपरि है। श्रीमती पावले ने कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व के अनुमोदन व प्रदेश संगठन के निर्णय उपरांत जो नाम मेल के माध्यम से प्राप्त हुआ है उस अनुरूप श्री मुरली मनोहर सोनी को भाजपा सूरजपुर का नया जिलाध्यक्ष घोषित करती हूँ। इससे पूर्व कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल ने सभी मंचासीन अतिथि व कार्यकर्ताओं का आभार जताया उन्होंने कहा कि आप सभी कार्यकर्ताओं के बदौलत भाजपा ने जिले विपक्ष की भूमिका से लेकर विधानसभा चुनाव व लोक सभा चुनाव मे मजबती से लड़ाई लड़ी है। जिले ने तीन तीन विधायक व सांसद को जीत दिलाने मे सफलता प्राप्त की है। संगठन महापर्व के दौरान सभी कार्यकर्ताओं ने पूरे उत्साह से सदस्यता महाभियान को सफल बनाया।उन्होंने बताया कि उनके चार साल के कार्यकाल मे अपने टीम के साथियों का सहयोग मिला तथा सभी का आभार जताया। उन्होंने कि भाजपा के भव्य कार्यालय का निर्माण सबके सहयोग से संभव हुआ।पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा ने कहा कि भाजपा संगठन में दायित्व परिवर्तन की एक सतत प्रक्रिया है जहाँ सभी समय समय पर अलग अलग जवाबदारी सौपी जाती है। आज एकबार पुनः नए कार्यकर्ता के कंधे पर जिलाध्यक्ष की जवाबदारी सौपी जा रही है लेकिन पूरी टीम को एकजुट होकर कार्य करना है। कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि हम सभी कार्यकर्ताओं के परिश्रम के बदौलत जनता की सेवा के लिए सत्ता तक पहुँचे है । सरकार की योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंचे इसके लिए संगठन भी साथ साथ चलेगा। सभी कार्यकर्ता परिवार भाव के साथ एकजुट होकर कार्य करें। प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं की इच्छा होती है उसे बड़ी जवाबदारी मिले लेकिन संगठन का निर्णय हम सब के लिए सर्वोपरि है। भाजपा कार्यकर्ता हमेशा संगठन के निर्णय के अनुरूप चलता रहा है। वरिष्ठ भाजपा नेता भीमसेन अग्रवाल ने कहा कि सूरजपुर भाजपा संगठन हमेशा से मजबूत रहा है। जिस तरह पुरानी टीम ने एकजुट होकर कार्य किया है अब आगे भी नए जिलाध्यक्ष के नेतृत्व मे काम करना है। पूर्व विधायक रजनी त्रिपाठी ने कहा कि सूरजपुर भाजपा संगठन जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल के नेतृत्व मे काफी मजबूत हुआ है आगे नए अध्यक्ष के नेतृत्व और भी मजबूत होगा। प्रदेश मंत्री परमेश्वरी राजवाड़े ने कहा कि हम सभी को नए जिलाध्यक्ष के नाम जानने की उत्सुकता है आने वाले दिनों सभी एकजुट होकर संगठन को मजबूत करेंगे।

भाजपा के नए जिलाध्यक्ष एक नज़र में...

भाजपा के नए जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी पेशे से अधिवक्ता है तथा भाजपा मे अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत 1992 मे बूथ अध्यक्ष के रूप मे की। श्री सोनी भाजपा मंडल सूरजपुर के महामंत्री व अध्यक्ष के दायित्वों का निर्वहन कर चुके है।सरल व सौम्य छवि के मुरली सोनी अविभाजित सरगुजा मे सहकारिता प्रकोष्ठ के जिला संयोजक व सूरजपुर जिले में किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष रह चुके हैं। वर्ष 2016 से लगातार सूरजपुर जिला भाजपा मे जिला महामंत्री का दायित्व निभा रहे थे। विधानसभा चुनाव 2023 मे प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव संयोजक बनाए गए थे जहाँ भाजपा प्रत्याशी भूलन सिंह मरावी को बड़ी जीत मिली थी।

आखिरकार मुरली सोनी के नाम पर लगी मुहर

भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी के पास लंबा राजनीतिक अनुभव है । लेकिन श्री सोनी हमेशा शांत व लो - प्रोफाइल रहने वाले व्यक्ति माने जाते हैं। उनकी सहजता ही उनके चयन का मुख्य आधार बनी और आखिरकार मुरली सोनी के नाम पर संगठन ने अपना मुहर लगाया। मुरली सोनी को लंबे समय तक संगठन के विभिन्न पदो पर काम करने का अनुभव है। लगातार दो अलग अलग जिलाध्यक्षों की टीम मे काम करने के बावजूद उन्हें कभी असहजता महशूस नहीं हुई। संगठन की कठिन से कठिन चुनौतियों को सहजता से हल करने वाले मुरली भाजपा संगठन की पहली पसंद बनकर उभरे और सूरजपुर भाजपा की कमान उनके हाथों सौपी गई।

ऑस्ट्रिया में गठबंधन को लेकर बातचीत विफल,चांसलर नेहमर छोड़ेंगे पद; पार्टी ने इसे चुना अंतरिम नेता

वियना,05 जनवरी 2025। ऑस्ट्रियाई चांसलर कार्ल नेहमर अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। ऐसे में ऑस्ट्रियाई पीपुल्स पार्टी ने रविवार को अपने महासचिव क्रिश्चियन स्टॉकर को अंतरिम नेता के रूप में नामित किया है।

नेहमर ने शनिवार को एलान किया था कि आने वाले दिनों में वह अपना पद छोड़ सकते हैं। इसका कारण यह है कि उनकी पीपुल्स पार्टी और सोशल डेमोक्रेट्स के बीच गठबंधन वार्ता विफल हो गई है। वह पीपुल्स पार्टी के नेता के पद से भी इस्तीफा देंगे।

कौन हैं क्रिश्चियन स्टॉकर ?

स्टॉकर एक वकील के साथ-साथ ऑस्ट्रियाई संसद के सदस्य हैं। इसके अलावा, साल 2022 से पीपुल्स पार्टी के महासचिव के रूप में भी कार्यरत हैं। उन्हें एक अनुभवी और शांत संकट संचारक के रूप में देखा जाता है, जो विवादास्पद फैसलों का बचाव करने के लिए अक्सर ऑस्ट्रियाई मीडिया में दिखाई देते हैं।

देश की स्थिरता जरूरीः नेहमर

विशेष पुलिस सुरक्षा के बीच वियना में राष्ट्रपति कार्यालय की ओर बढ़ते हुए नेहमर ने कहा,मेरे लिए यह जरूरी है कि देश में स्थिरता और केंद्र की दिशा को जारी रखा जा सके।

2021 में बने थे चांसलर

कार्ल नेहमर 2021 में चांसलर बने थे और उन्होंने अपने पूर्ववर्ती सेबास्टियन कुर्ज की जगह ली थी। वह 2022 में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतीन से मिलने के लिए मॉस्को गए थे और बाद में कीव में यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से भी मुलाकात की थी। ऑस्ट्रियाई राष्ट्रपति ने कहा है कि वे जल्द ही नेहमर से मुलाकात के बाद अगले कदमों की घोषणा करेंगे।

न्यूजीलैंड ने वीजा नियमों में किए अहम बदलाव, इसकी वजह और भारतीय प्रवासियों पर असर

वेलिंगटन,05 जनवरी 2025 । न्यूजीलैंड की तरफ से हाल ही में वीजा नियमों अहम बदलाव किया गया है। जानकारी के मुताबिक, न्यूजीलैंड सरकार ने प्रवासियों के लिए काम के अनुभव की शर्त को तीन साल से घटाकर दो साल कर दिया है। इस फैसले से सक्षम श्रमिकों को न्यूजीलैंड में आसानी से रोजगार मिल सकेगा और वे अपने पदों के लिए जरूरी योग्यताएं भी पूरी कर सकेंगे। वहीं नए नियमों से न्यूजीलैंड में नौकरी के अवसर तलाश रहे भारतीय प्रवासियों को भी काफी मदद मिलने की उम्मीद है।

आव्रजन मार्गों को सरल बनाने का प्रयास

बता दें कि, श्रम बाजार में लगातार कमी के बीच, न्यूजीलैंड ने आव्रजन प्रक्रियाओं को कारगर बनाने के लिए अपने वीजा और रोजगार आवश्यकताओं में अहम बदलाव किए हैं। इन बदलावों का उद्देश्य कर्मचारियों और नियोक्ताओं दोनों के लिए काम के अनुभव का मानदंड, वेतन समायोजन और वीजा अवधि में समायोजन के साथ आव्रजन मार्गों को सरल बनाना है। देश ने मौसमी श्रमिकों के लिए न्यूजीलैंड में रहने के लिए दो नए रास्ते भी पेश किए हैं- अनुभवी मौसमी श्रमिकों के लिए तीन साल का बहु-प्रवेश वीजा और कम कुशल श्रमिकों के लिए सात महीने का एकल-प्रवेश वीजा। ये रास्ते मौसमी श्रम जरुरतों को पूरा करने के लिए बनाए गए हैं।

न्यूजीलैंड सरकार ने किए ये अहम बदलाव

इसके अलावा, न्यूजीलैंड सरकार ने मान्यता प्राप्त नियोक्ता कार्य वीजा (एईडब्ल्यूवी) और विशिष्ट उद्देश्य कार्य वीजा (एसपीडब्ल्यूवी) के लिए औसत वेतन मानदंड हटा दिए हैं। नए नियमों के तहत, हालांकि नियोक्ताओं को नौकरी के अवसर पोस्ट करने और भूमिका और स्थान के लिए बाजार दर के अनुसार वेतन देने के लिए बाध्य किया जाता है, लेकिन अब उन्हें पूर्व निर्धारित वेतन मानदंड को पूरा करने की आवश्यकता नहीं है। यह नियोक्ताओं को समान कर्मचारी पारिश्रमिक बनाए रखते हुए स्वतंत्रता देता है।

एईडब्ल्यूवी धारकों को कमाना होगा NZ$55,844 प्रति वर्ष

अपने बच्चों को न्यूजीलैंड लाने के इच्छुक प्रवासियों के लिए, एईडब्ल्यूवी धारकों को अब कम से कम NZ$55,844 प्रति वर्ष कमाना होगा। यह न्यूनतम सीमा, जिसे 2019 से नहीं बदला गया है, इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रवासी परिवार देश में रहते हुए खुद को आर्थिक रूप से बनाए रख सकें। इसके अलावा, न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलियाई और न्यूजीलैंड मानक वर्गीकरण व्यवसायों कौशल स्तर 4 या 5 के अंतर्गत आने वाली नौकरियों के लिए दो साल की वीजा अवधि को बढ़ाकर तीन साल कर दिया है। दो साल के वीजा के साथ इन नौकरियों में मौजूदा कर्मचारी, जो आवश्यकताओं को पूरा करते हैं,एक साल का विस्तार मांग सकते हैं।

राष्ट्रपति जेलेंस्की का दावा-रूस ने दागे सैकड़ों ड्रोन,प्रतिबंध और सख्त करने का किया आह्वान

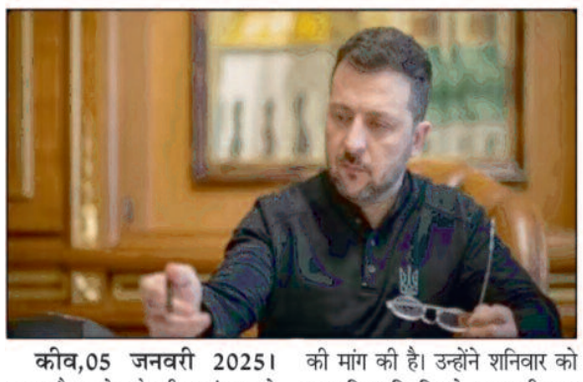

कीव,05 जनवरी 2025। रूस और यूक्रेन के बीच जंग थमने का नाम नहीं ले रही है। यह जंग दिन-ब-दिन और खतरनाक रूप ले रही है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूस पर प्रतिबंध बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने शनिवार को दावा किया कि पिछले सप्ताह कीव पर 103 शाहिद ड्रोन और 600 से अधिक ड्रोन हमले किए गए। इसके अलावा, मॉस्को ने कई निर्देशित हवाई बम और मिसाइलों का भी इस्तेमाल किया, जिसमें दुनिया भर से मंगाए गए 50,000 से अधिक घटक शामिल थे।

103 से अधिक ड्रोनों से किया हमला

जेलेंस्की ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, लगभग हम रूस के मिसाइलों और ड्रोन से अपने आकाश की रक्षा करते हैं। कल रात यूक्रेन पर 103 शाहीद ड्रोन से हमला हुआ, जिनमें 8,755 विदेशी घटक थे। पिछले सप्ताह, रूस ने 630 से अधिक हमलावर ड्रोन, लगभग 740 गाइडेड एरियल बम और करीब 50 मिसाइलों का इस्तेमाल किया। कुल मिलाकर 50,000 से ज्यादा घटक थे, जो दुनिया भर से आए थे।

मदद देने वाले देशों से और ज्यादा सहयोग की जरूरत

जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन को मदद देने वाले देशों से और ज्यादा सहयोग की जरूरत है। रूस अभी भी दुनिया भर से जरूरी सामान और उपकरण हासिल कर रहा है, जिससे वह यूक्रेन पर हमले कर रहा है। जेलेंस्की ने सभी देशों से ज्यादा प्रतिबंध लगाने, वायु रक्षा प्रणालियां मजबूत करने और लंबी दूरी के हथियारों का समर्थन बढ़ाने की अपील की है, ताकि यूक्रेन के शहरों, गांवों और अग्रिम मोर्चे को सुरक्षा मिल सके।

उन्होंने कहा, हमारे सहयोगियों का समर्थन हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

इन शहरों पर हमला

बता दें,यूक्रेनी राष्ट्रपति ने एक वीडियो भी साझा किया था, जिसमें दिखाया गया कि किस तरह कीव, चेर्निहिव, सुमी, डोनेट्स्क, खेरसॉन, खार्किव और ड्निप्रो जैसे शहरों पर हमले हुए थे। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन की रक्षा को और मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सहायता देने का एलान किया था।

संभाग के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं में कार्यरत कर्मचारियों को मिली पदोन्नति

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,05 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग के अंतर्गत समस्त सरगुजा, जशपुर, कोरिया, बलरामपुर, सूरजपुर और एम.सी.बी. में जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं उप स्वास्थ्य केन्द्रों में पदस्थ व कार्यरत तृतीय श्रेणी के विभिन्न संवर्गों में कार्यरत कर्मचारियों को विभागीय भर्ती नियमों के प्रावधानों के तहत कार्यकुशलता को बढ़ाने के दृष्टिकोण से वरिष्ठता एवं उपयुक्तता के आधार पर पदोन्नति प्रदान किये जाने हेतु विभिन्न कारणों से वर्षों से जो पदोन्नति लंबित थे, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के दिशा-निर्देशन में उनके पदोन्नति की प्रक्रिया को तत्काल संपादित किया गया है जिसमें सरगुजा संभाग के समस्त जिलों में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं में कार्यरत एवं पदस्थ कर्मचारियों को भर्ती नियम में प्रावधानित योग्य ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक महिला, बहुउद्देशीय कार्यकर्ता-महिला से स्टॉफ नर्स के पद पर कुल रिक्त 21 कर्मचारियों की पदोन्नति प्रदान की गई है।

इसी तरह संभाग के अधिनस्थ स्वास्थ्य संस्थाओं में कार्यरत एवं पदस्थ एम.पी.एच.डब्ल्यू. (पुरुष/महिला), ड्रेसर ग्रेड-1 से नेत्र सहायक अधिकारी के कुल रिक्त 07 पदों पर, एम.पी.एच.डब्ल्यू. (पुरूष/वरिष्ठ सेनेटेरियन/ फिजियोथैरेपी टेक्निशियन डाईंग कैडर) के पद पर कार्यरत कर्मचारियों की विभागीय पदोन्नति स्वास्थ्य शिक्षक (हेल्थ एजुकेटर)/सेनेटेरियन-कम-हेल्थ एजुकेटर के कुल रिक्त 02 पदों पर तथा विगत 07 वर्षों से लंबित सरगुजा संभाग के अधीनस्थ कार्यालयों, स्वास्थ्य संस्थाओं में कार्यरत सहायक ग्रेड-3 कर्मचारियों को सहायक ग्रेड-2 संवर्ग (सहायक ग्रेड-2/कैशियर/संगणक/स्टुवर्ड) के पदों पर कुल 35 कर्मचारियों को विभागीय पदोन्नति भर्ती नियम के प्रावधानों के तहत प्रदान की गई है। इससे छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य कर्मचारी संघ, तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों एवं समस्त विभाग में कार्यरत कर्मचारियों के द्वारा संभागीय संयुक्त संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं को हर्ष व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापित किया गया है।

अवैध कोयला परिवहन कर रहे बाइक सवार ने

» बाइक सवार को मारी ठोकर, तीन लोग हुए घायल 2 जिला अस्पताल रेफर

- संवाददाता -
लखनपुर,05 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बंधा चारपारा अटल चौक के समीप 5 जनवरी दिन रविवार की सुबह 7:30 बजे अवैध रूप से कोयला परिवहन कर रहे तेज रफ्तार बाइक सवार ने विपरीत दिशा से आ रहे हैं बाइक सवारों को जोरदार ठोकर मार दी। घटना के बाद 3 लोग घायल हो गए। मिली जानकारी के मुताबिक बाइक सवार शंकर सिंह पिता राम मोहन सिंह उम्र 28 वर्ष ग्राम नवापारा खुर्द थाना दारिमा निवासी जो अपनी सास प्यासो बाई 55 वर्ष को ग्राम कठिंदा से लेकर अपने गृह ग्राम जा रहा था। जैसे ही वह बंधा चार पारा अटल चौक के समीप पहुंचा विपरीत दिशा आ रहे अवैध कोयला लोड बाइक सवार दिनेश सिंह पिता विजय सिंह ग्राम केवरी थाना लखनपुर निवासी ने जोरदार ठोकर मार दी। घटना में बाइक सवार तीनों लोग घायल हो गए स्थानीय लोगों की सूचना पर एंबुलेंस 108 के ईएमटी उमर अली चालक बैतुल्लाह खान मौके पर पहुंचे और घायलों को उपचार हेतु लखनपुर अस्पताल लेकर आये जहां सभी का प्राथमिक उपचार किया गया प्यासो बाई उम्र 55 वर्ष ग्राम कटिंदा निवासी के सर में चोट होने तथा शंकर सिंह पिता राम मोहन सिंह के हाथ फैक्चर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया है। वही दूसरा बाइक सवार युवक दिनेश सिंह पिता विजय सिंह 25 वर्ष का उपचार जारी है घटना की सूचना लखनपुर पुलिस को दी गई है।

नदी में डूबने से वृद्ध की मौत

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,05 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

नदी में गिरने से एक वृद्ध की मौत हो गई। वह शनिवार को फसल देखने गया था और मेढ़ से फिसलकर नदी में गिर गया था। पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सूखन राम उम्र 72 वर्ष गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम कृष्णानगर का रहने वाला था। वह शनिवार को फसल देखने गया था। तभी वह मेढ़ से फिसलकर नदी में गिर गया था और पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। मामले में गांधीनगर पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,05 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

बतौली के जोकीनाला स्थित पेट्रोल पंप के पास 3 जनवारी की शाम को अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी थी। दुर्घटना में गंभीर चोट लगने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के पिता ने मामले की रिपोर्ट बतौली थाना में दर्ज कराई है।

जानकारी के अनुसार बिबल पैकरा बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम जूनापारा का रहने वाला था। वह दो जनवारी को बाइक से अपने रिश्तेदार के घर अंबिकापुर खैरबार आया था। यहां से 3 जनवरी की शाम को बाइक क्रमांक सीजी 15 ईबी 5840 से वापस घर जा रहा था। तभी रास्ते में बतौली जोकीनाला स्थित पेट्रोल पंप के पास अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। गंभीर चोट लगने के कारण बिरबल की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं बिरबल के पिता अली राम पैकरा ने मामले की रिपोर्ट बतौली थाना में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

तहसीलदार और पटवारी का फर्जी हस्ताक्षर कर करा ली जमीन की रजिस्ट्री,4 नामजद समेत अन्य के खिलाफ हुई एफआईआर

» तहसीलदार व पटवारियों की थाने में की गई शिकायत के बाद दर्ज की गई एफआईआर, 4 नामजद सहित अन्य के खिलाफ जयनगर थाने में दर्ज किया गया अपराध

- संवाददाता -
बिश्रामपुर,05 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

फर्जी दस्तावेज के अलावा लटोरी तहसीलदार व पटवारी का फर्जी हस्ताक्षर कर 3 अलग-अलग जमीनों की रजिस्ट्री कराए जाने का मामला प्रकाश में आया है। फर्जीवाड़े के मामले में शनिवार को लटोरी तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं कई पटवारियों ने जयनगर थाना प्रभारी को आवेदन देकर दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई करने की बात कही। इस पर जयनगर पुलिस ने फर्जीवाड़े में शामिल 4 नामजद सहित अन्य के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

आवेदन में उल्लेख किया गया है कि लटोरी तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत गणेशपुर में स्थित भूमि खसरा नंबर 355, 356/1 रकबा 0.18 व 0.15 हेक्टेयर भूमि की रजिस्ट्री 23 दिसंबर 2024 को कराई गई। इसमें विक्रेता कृष्ण देव पिता उचित लाल वैश्य गणेशपुर निवासी द्वारा क्रेता साधन वैद्य पिता नरेश वैद्य निवासी सिलफिली के नाम सूरजपुर पंजीयक कार्यालय से जमीन रजिस्ट्री की गई है।

इसी तरह ग्राम पंचायत गणेशपुर में स्थित खसरा नंबर 350/1 में से रकबा 0.52 हेक्टेयर भूमि की रजिस्ट्री भी 23 दिसंबर 2024 को ही विक्रेता कृष्ण देव पिता उचित लाल वैश्य द्वारा क्रेता सौरभ तिवारी पिता श्रीकांत तिवारी निवासी सिलफिली व ग्राम पंचायत गणेशपुर में स्थित खसरा नंबर 350.2 में से रकबा 0.28 हेक्टेयर भूमि के विक्रेता कृष्ण देव पिता उचित लाल वैश्य द्वारा क्रेता सौरभ तिवारी पिता श्रीकांत तिवारी के नाम फर्जी दस्तावेज में लटोरी तहसीलदार सुरेंद्र कुमार पैकरा व हल्का नंबर 21 के तत्कालीन पटवारी संतोष कुमार भानिया का फर्जी हस्ताक्षर कर रजिस्ट्री करा ली गई है।

भूमि बिक्री प्रतिवेदन की चौहद्दी की लिखावट अलग

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि कूटरचित फर्जी रजिस्ट्री का जब अवलोकन किया गया तब पाया गया कि हल्का पटवारी के भूमि बिक्री प्रतिवेदन चौहद्दी में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा अपने राइटिंग में लिखा गया है।

वहीं ग्राम पंचायत गणेशपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 355, 356/1, रकबा 0.18, 0.15 हेक्टेयर भूमि का वर्तमान बी वन एवं रिनंबरिंग सूची के मिलान में पाया गया कि उक्त भूमि शासन से पट्टे पर प्राप्त है, जिसकी खरीद-बिक्री के पूर्व सक्षम अधिकारी की अनुमति ली जाती है। तीनों विक्रय पत्र की 23 दिसंबर 2024 को उप पंजीयक कार्यालय सूरजपुर में रजिस्ट्री कराया गया है।

मामले में ग्राम पंचायत गणेशपुर निवासी कृष्ण देव पिता उचित लाल वैश्य, सिलफिली निवासी सौरभ तिवारी पिता श्रीकांत तिवारी, ग्राम पंचायत मदनपुर निवासी राकेश कुमार मिस्त्री पिता कमलचंद मिस्त्री, दस्तावेज लेखक राजेश कुमार व अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई किए जाने की बात कही।

इस मामले में जयनगर पुलिस ने आरोपी कृष्ण देव, सौरभ तिवारी, राकेश कुमार, राजेश कुमार व अन्य के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2)(5) के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

आदिवासी की भूमि को बनाया सामान्य

बताया जा रहा है कि इस फर्जीवाड़े में जो दस्तावेज प्रस्तुत किए गए हैं, उसमें गणेशपुर निवासी लम्बी पिता दसई उरांव आदिवासी के रिकॉर्ड को फर्जी तरीके से सुदामा सिंह पिता जीवन सिंह के नाम का रिकॉर्ड प्रस्तुत किया गया है।

लटोरी तहसीलदार ने बताया कि विक्रेता कृष्ण देव पिता उचित लाल द्वारा स्टाम्प मुद्रण कराते समय उक्त भूमि को सेटलमेंट की भूमि होने का उल्लेख किया गया है। मामले में आदिवासी की भूमि को सामान्य भूमि दर्शा कर रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूर्ण कराई गई है।

आईडी से हुआ फर्जी रजिस्ट्री का खुलासा

बताया जा रहा है कि कथित रूप से उक्त फर्जी रजिस्ट्री का खुलासा लटोरी तहसीलदार की आईडी से हुआ। जब उप पंजीयक कार्यालय में किसी भूमि की रजिस्ट्री होती है तब उक्त दस्तावेज हल्का पटवारी व तहसीलदार की आईडी में ट्रांसफर होते हैं।

इसी तरह जब उक्त फर्जी हस्ताक्षर किए हुए दस्तावेज के आधार पर रजिस्ट्री हुई, तब लटोरी तहसीलदार के आईडी मेंक़िक़्कू दस्तावेज के आने से उक्त मामले का खुलासा हो सका

उप पंजीयक की भूमिका भी संदिग्ध

फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत कर की गई रजिस्ट्री में उप पंजीयक सूरजपुर की भूमिका भी संदिग्ध बताई जा रही है। जब फर्जी रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूर्ण कराई गई थी, इस दौरान सभी पटवारियों की हड़ताल भी चल रही थी।

पटवारियों का कहना है कि जब प्रतिदिन उप पंजीयक द्वारा लटोरी तहसीलदार के हस्ताक्षर के कई चौहद्दी देखे जा रहे हैं तो उक्त दस्तावेज में जो फर्जी हस्ताक्षर किए गए, उस पर सवाल क्यों नई उठाया गया? मामले में निष्पक्ष जांच होने पर वस्तुस्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

CMYK

सीटी स्कैन मशीन की खरीदी के दस्तावेज किसके पास ?

क्या कोरिया जिले के लैपटॉप का उपयोग सुरजपुर जिले में हो रहा है? कोरिया सीएमएचओ कार्यालय एनएचएम शाखा से कई दस्तावेज गायबःसूत्र

प्रमाणित खबर लगने पर लगाते हैं... भयादोहन का आरोप

जब कोई प्रमाणित खबर छपती है तथ्यों के साथ छपती है और सत्य के करीब होती है तो प्रभारी डीपीएम प्रिंस साहब तिलमिला जाते हैं और बिना अपने उच्च अधिकारियों से परमिशन लिए पत्रकारों के विरुद्ध शिकायत करते हैं और बताते हैं कि पत्रकार अधिकारियों को भय दिखाकर दोहन करते हैं,अब ऐसे में सवाल यह उठता है कि कितने अधिकारियों ने आज तक पत्रकारों पर यह आरोप लगाया है कि घटती-घटना के वरिष्ठ पत्रकार ओमकार पांडे ने किसी अधिकारियों के साथ भयादोहन किया हो? दैनिक घटती-घटना के वरिष्ठ पत्रकार सूरजपुर ओमकार पांडे एक बेदाग व बेबाक पत्रकार में अपना नाम शुमार करते है, पर उनके नाम प्रभारी डीपीएम का शिकायत करना किसी भी पत्रकार को रास नहीं आ रहा जल्द ही पत्रकार इसके विरोध में जा सकते हैं। वैसे तो दैनिक घटती-घटना पर आज तक किसी ने यह आरोप भयादोहन का नहीं लगाया है और जो लगाए हैं वह साबित नहीं कर पाए हैं कि उनके साथ भयादोहन कैसे हुआ है और कब हुआ है? इकलौता एक ऐसा छत्तीसगढ़ में अधिकारी होगा जो शिकायतकर्ता व समाजसेवी बना हुआ है ऐसा लग रहा है कि वह सही है बाकी सब गलत है सरकारी बंदिशें में बंधकर भी वह अपने आप को सुपर अधिकारी कम सुपर नेता समझ रहे हैं?

क्या कलेक्टर कोरिया मामले में दर्ज कराएंगी एफआईआर ?

-शमरोज खान-
बैकुंठपुर,कोरिया,05 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले में सीटी स्कैन खरीदी को लेकर भारी भ्रष्टाचार की शिकायत है पर शिकायत जांच तक पहुंच नहीं पा रही है? और अब ऐसे में दस्तावेज गायब होने की जानकारी भी सामने आ रही है सूत्रों का दावा है कि जांच हुई तो सीटी स्कैन मशीन घोटाला सामने आ जाएगा,जिस वजह से घोटाले में शामिल लोग दस्तावेज ही गायब कर चुके हैं,अब दस्तावेज शासन व जिला प्रशासन कैसे ढूंढ पाएगा और कैसे जांच करके कार्यवाही करेगा यह बड़ा प्रश्न बन गया है भले से घोटाला कांग्रेस शासनकाल में हुआ है पर भाजपा शासनकाल में इस घोटाले की कलई कब खुलेगी इसका इंतजार है?

ज्ञात हो की कोरिया जिले में कांग्रेस शासन के कार्यकाल में सीटी स्कैन मशीन की खरीदी की गई, भ्रस्टाचार के आरोप लगे परंतु तत्कालीन सीएमएचओ और तत्कालीन डीपीएम ने दस्तावेज सार्वजनिक नही किए यहां तक सीटी स्कैन खरीदी के दस्तावेजों की मांग आरटीआई से कई बार की गई परंतु दोनो ने मामले पर चुप्पी साधे रखी। वही एनएचएम के कई कार्यक्रमों में खर्च की गई सरकारी राशि के दस्तावेज भी गायब बताए जा रहे है।

सीटी स्कैन मशीन खरीदी के दस्तावेज गायब

कांग्रेस सरकार में तत्कालीन सीएमएचओ डॉ आरएस सेंगर और तत्कालीन डीपीएम प्रिंस जायसवाल के द्वारा बिना पारदर्शिता बरते चुपचाप सीटी स्कैन मशीन की खरीदी की गई, परंतु आज तक कौन सी मशीन खरीदी गई है ये किसी को नही बताया,मशीन से जुड़े दस्तावेज कार्यालय से गायब है,डॉ सेंगर और प्रिंस जायसवाल दोनो ने प्रभार दे दिया पर सीटी स्कैन के दस्तावेज नही दिए, मामले में कई आरटीआई मांगी गई परंतु दस्तावेज होंगे तो जानकारी मिलेगी, ऐसे में क्या कलेक्टर कोरिया सीटी स्कैन के दस्तावेज जमा नही करने वाले पर एफआईआर दर्ज कराएंगी यह देखने का विषय होगा।

लैपटॉप कहाँ है ?

कांग्रेस सरकार में तत्कालीन सीएमएचओ डॉ आरएस सेंगर और तत्कालीन डीपीएम प्रिंस जायसवाल के द्वारा काफी संख्या में लैपटॉप खरीदे गए, इनकी खरीदी में बड़ा गड़बड़झाला की चर्चा आम है, वही लैपटॉप भौतिक रूप से कहा किसके पास है इसका हिसाब कोई नही जानता है,सूत्र बता रहे है कि तत्कालीन डीपीएम अब तक कोरिया जिले के लैपटॉप का प्रयोग कर रहे है, एक साल से ज्यादा हो गया सुरजपुर पदभार संभाले पर उन्होंने अभी तक कोरिया के लैपटॉप वापस लौटना मुनासिब नही समझा है। अब सवाल यह उठता है कि आखिर लैपटॉप विभागीय था या फिर प्रभारी डीपीएम का पर्सनल था जिस वह अपने साथ लेते गए? क्या शासन ने सरकारी पैसा खर्च करके कोरिया के तत्कालीन डीपीएम को उनके निजी उपयोग के लिए लैपटॉप दिया था?

एनएचएम के कई दस्तावेज गायब

अगस्त 2024 में तत्कालीन सीएमएचओ डॉ आरएस सेंगर से स्वास्थ्य विभाग का कार्यालय मुक्त हुआ, परंतु एनएचएम के दर्जनों कार्यक्रम में 2022 से 2024 तक खर्च के दस्तावेजों का अता पता नही है,सूत्र बताते है कि तत्कालीन सीएमएचओ, तत्कालीन डीपीएम और एक एनएचएम का बाबू कमरा बन्द करके वित्तीय अनियमितता करने में जुटे रहते थे, सूत्र यह भी बताते है तीनो ने राष्टीय कार्यक्रमों में खर्च करने के नियमो को फाड़ के फेंक कर राशि व्यय कर डाली, अब कई राष्टीय कार्यक्रमो में खर्च की राशि के दस्तावेज कार्यालय से गायब है, एनएचएम के तहत तमाम तरह की खरीदी के दस्तावेजों की जानकारी आरटीआई के तहत दी ही नही जा रही है। यदि 2022 से 2024 मार्च तक एनएचएम के तहत मील बजट की निष्पक्ष जांच हो तो कई वित्तीय अनियमितता सामने आ सकती है।

सच्चाई सामने आने की बौखलाहट में प्रभारी डीपीएम लगा रहे आरोप,फर्जी डिग्री वाला मान-सम्मान वाला कैसे हो सकता है ?

फर्जी डिग्री से नौकरी हथिया कर कोई शासन को चुना लगा रहा है शिक्षित बेरोजगारों के हक को मार रहा है और कलई खुलने पर बौखलाहट में आरोप लगा रहा है। वैसे डिग्री फर्जी है यह आरोप बैकुंठपुर के पार्षद लगा रहे हैं आरोप के साथ वह तथ्य और दस्तावेज प्रस्तुत कर रहे हैं। अब सच सामने आते ही अनर्गल आरोप दूसरे पर लगा रहे हैं डीपीएम प्रभारी सुरजपुर...वैसे कोई फर्जी डिग्री वाला कैसे मान-सम्मान वाला हो सकता है यह विचारणीय है। फर्जी डिग्री वाला केवल मुन्ना भाई ही हो सकता है जो जगजाहिर है।

फर्जी दस्तावेजों के आधार पर वर्षो से शासन की आँख में धूल झोंक कर रहे हैं कार्य

प्रशासन ने नियुक्ति के बाद अंकसूची का कराया है सत्यापन क्या ?

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,05 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

विकासखंड खड़गवां में शिक्षा विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग परियोजना मे प्रशासन की आंख में धूल झोंककर कई फर्जी अंक सूची एवं जाति प्रमाण पत्र और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नौकरी कर रहे हैं।

खडगवा विकास खंड शिक्षा विभाग एवं परियोजना महिला बाल विकास विभाग हमेशा किसी ना किसी कारणों से विवादों में रहता है चाहे कार्यकर्ताओ सहायिकाओं की नियुक्ति हो भ्रष्टाचार हो इन सब मे बडी ही सुर्खियों में रहता है और इस विभाग मे वर्ष 2020-21 में हुई भर्ती में फर्जीवाड़ा किया गया है।इस विभाग में उसी कि ज्यादा चलती है जो जितने बड़े चम्मच से समिति के अधिकारीयों को खिलाता हैं वो अधिकारीयों का खास होता है इसी तर्ज पर चल रहा है महिला बाल विकास खडगवा मे भर्ती पूर्व में आगनबाडी कार्य कर्ता एवं सहायिका की भर्ती प्रक्रिया मे जिन अभ्यर्थियों की नियुक्ति कि गई है उनकी नियुक्ति में प्रमाण पत्रों के आधार पर अंक प्रदान किया गया है और उनकी नियुक्ति की गई है तो उनके प्रमाण पत्रों का वेरिफिकेशन तो विभाग को कराना चाहिए विभाग के तात्कालिक परियोजना अधिकारी के द्वारा फर्जी अंक सूची एवं दस्तावेजों के अभ्यर्थी की नियुक्ति पैसे के लेनदेन कर किया गया है और नियुक्ति कर्ता तात्कालिक परियोजना अधिकारी के द्वारा उन नियुक्ति कर्ताओ के आज तक विभाग के द्वारा इनके प्रमाण पत्रों के आधार पर अंक देकर नियुक्ति किया गया तो उनके प्रमाण पत्रों का सत्यापन (वेरिफिकेशन) करने की जिम्मेदारी महिला बाल विकास की बनती है जो महिला बाल विकास विभाग ने नहीं किया और फर्जी अंकसूची एवं फर्जी जाति प्रमाण पत्रों से महिला बाल विकास विभाग एवं शिक्षा विभाग में पैसे के दम पर कार्य कर रहे हैं जिसमें खडगवा के तात्कालिक परियोजना अधिकारी की संलिप्तता के कारण ये खेल खेला गया था।और फर्जी नियुक्ति भी की गई है फर्जी प्रमाण पत्रों के आधार से नियुक्ति दी गई है तो उनके दस्तावेजों को वेरिफिकेशन तात्कालिक परियोजना अधिकारी ने कयो नहीं कराया और नियुक्ति कर्ता पिछले कई वर्षो से कार्य कर रहे हैं ।

कया खडगवा के परियोजना में तात्कालिक नियुक्ति कर्ता अधिकारी को उनके दस्तावेजों की जाच करने की जिम्मेदारी नहीं बनती हैं ?

कया इन अभ्यर्थियों की नियुक्ति की जाच कर तात्कालिक परियोजना अधिकारी के द्वारा कार्यवाही किया जाना चाहिए था?

अब देखना है कि प्रशासन इस पर कोई कार्यवाही करता है अथवा इसी तरह मुकदर्शक बना रहता है और अपने सरकारी खजाने से ऐसे भ्रष्ट लोगों को लाभ देता रहता है जानकारी सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत शिक्षा विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग परियोजना से मिली है। क्या महिला बाल विकास विभाग एवं शिक्षा विभाग अपने ही दस्तावेजों को सत्य समझता कि नहीं है अथवा कोई कड़ी कार्यवाही कर ऐसे भ्रष्ट लोगों को कड़ा संदेश देता है क्या ?

बालको पुलिस ने काली मंदिर में हुई चोरी के आरोपी को किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
कोरबा,05 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

जिले के बालको क्षेत्र मे स्थित काली मंदिर मे हुए चोरी का बालको पुलिस ने खुलासा करते हुए बताया के प्रार्थी मनीष विश्वास थाना उपस्थित आकर एक लिखित रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह बालको प्लांट में सुरक्षा विभाग में लीड एडमिन के पद पर पदस्थ हैं। दिनांक 04.01.2025 को रात्रि में बालको क्षेत्र में पेट्रोलिंग ड्यूटी लगी थी। अस्सिटेंट मैनेजर बालको आवेश बुन्देला,पेट्रोलिंग सुपरवाईजर ओमप्रकाश केवर्त, सुरक्षाकर्मी सुनील सिंह भी थे। सभी दिनांक 04-05 जनवरी 2025 के दरम्यानी रात पेट्रोलिंग पर जी. एम. बंगला तरफ करीबन 02:20 बजे के आसपास पहुंचे थे तो उसी समय हमें एक मोटर सायकल में एक व्यक्ति घूमते दिखा। जिसके मोटर सायकल टंकी में एक सफेद प्लास्टिक बोरी में कुछ सामान रखा हुआ दिखा तथा पिट्ठू बैग में लादे हुए दिखा।

जिसे रोक कर पूछताछ करने पर वह हड़बड़ा गया और बोरी का सामान दिखाने के लिए बोले जाने पर आना कानी करने लगा फिर बाद में उसने पूछताछ करने पर बताया कि वह काली मंदिर बालको में दिनांक 05.01.2025 के रात्रि लगभग 01:30 बजे काली मंदिर का ताला तोडकर मंदिर के दान पेटी का रकम नोट एवं सिक्का को एवं काली माता की मूर्ति को पहनाये हुए सोने, चांदी के आभूषण को चोरी कर मोटर सायकल से भाग रहा था तब उसे लेकर काली मंदिर बालको में जाकर देखे तो उस व्यक्ति की कहीं हुई बाते सही निकली। मंदिर के पीछे हिस्से का खिड़की का जाली काटा हुआ व मंदिर एवं दान पेटी का ताला टूटा हुआ मिला। दान पेटी में रकम नहीं होना एवं काली माता की मूर्ति के आभूषण नहीं होना दिखा तब हम उक्त व्यक्ति संजीत कुमार गुप्ता पिता किशोरी लाल गुप्ता उम 32 वर्ष, निवासी नेहरूनगर झंडा चौक के पास थाना बालकोनगर एवं उसकी मोटर सायकल आई स्मार्ट क्रमांक सीजी 12 ए. क्यू 9257 तथा उक्त व्यक्ति का पीठू बैग एवं एक सफेद रंग की प्लास्टिक बोरी जिनमें चोरी का सामान रकम, सोने चांदी के आभूषण तथा खिड़की का जाली काटने एवं ताला तोडने का कटर, हथोडी, छेनी सामान होना बताया है। जो आरोपी संजीत कुमार गुप्ता को मय चुराये हुए सामान, मोटर सायकल व चोरी करने में इस्तेमाल किये गये औजार सहित थाना लाकर उचित कार्यवाही हेतु पेश किया। रिपोर्ट पर अपराध सदर कायम कर विवेचना मे लिया गया। विवेचना दौरान आरोपी से पूछताछ कर मेमोरेण्डम कथन लिया गया जिसके द्वारा अपराध सदर घटित करना स्वीकार करते हुए चोरी किये रकम जिसमें नोट एवं सिक्के, सोने, चांदी के आभूषण थे तथा घटना में प्रयुक्त कटर, छेनी, हथौडी एवं मोटर सायकलल आई स्मार्ट क्र. छ्त 12 ,क्त 9257 को पेश किया,जिसे नगदी रकम को जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया है। आरोपी संजीत कुमार गुप्ता पित्ता किशोरी लाल गुप्ता उम 32 वर्ष, निवासी नेहरूनगर झंडा चौक के पास थाना बालकोनगर जिला कोरबा (छ.ग.) को अप.क्र.- 24/2025 धारा 331(4), 305 बी एन एस के विरूद्ध अपराध सदर सबूत पाये जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायाइक अभिरक्षा में भेजा गया है ।

रामविचार नेताम का प्रतापपुर में आतिशी स्वागत

-संवाददाता-
प्रतापपुर,05 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

रविवार को कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम भाजपा कार्यकर्ताओं व क्षेत्रीय लोगों से भेंट मुलाकात करने स्थानीय रेस्टहाउस में पहुंचे। जहां कार्यकर्ताओं ने उनका ढोल व आतिशबाजी के साथ स्वागत किया।

इस दौरान कैबिनेट मंत्री नेताम ने कार्यकर्ताओं को नए साल की बधाई देते हुए कहा कि पिछले दिनों वे दुर्घटनाग्रस्त हो गए थे पर मां कूदरगढ़ी व आप लोगों के आशीर्वाद के कारण उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई। उन्होंने कहा कि अब वे पूरी तरह से सकुशल हैं तथा प्रदेश के विकास के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश की भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार को कुचलने का काम किया जा रहा है। पूर्व की सरकार में भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा पार कर चुके एक-एक भ्रष्टाचारी को चुन चुनकर भाजपा सरकार जेल भेजने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन की सरकार द्वारा जारी जनहितैषी योजनाओं का लाभ किसान, युवा, महिला व आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों सहित सभी वर्गों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार प्रदेश को हर स्तर पर विकसित करने के उद्देश्य से काम कर रही है।

मंत्री नेताम ने नगर पंचायत चुनाव को लेकर भी कार्यकर्ताओं से कहा कि जिस तरह से आप लोगों ने अपनी मेहनत के दम पर विधानसभा व लोकसभा के चुनावों में भाजपा को प्रचंड जीत दिलाई उसी तरह से नगर पंचायत के चुनाव में भी भाजपा प्रत्याशी को भारी बहुमत से विजय दिलाने का कार्य करें। इस दौरान क्षेत्रीय लोगों ने उन्हें विभिन्न प्रकार की समस्याओं से भी अवगत कराया। जिस पर उन्होंने सभी समस्याओं का जल्द निराकरण करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में भाजपा नेता शिवशंकर जायसवाल, नवीन (सोनू) जायसवाल, विनोद जायसवाल, बासुदेव माझी, थ?उला राम, देवा पैकरा, रत्नेश यादव, सिंघाचन सिंह, विक्रम नामदेव, खोरमा के सरपंच जालिम साय, पहिया के रुद्र प्रसाद, बुढ़ाडांड़ के चंद्रशेखर सिंह, सेमरा के निर्मल सांडिल्य, एसडीएम ललिता भगत, तहसीलदार शालीग्राम गुप्ता, नायब तहसीलदार मुकेश दास, राजस्व निरीक्षक मनोज भगत व बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य मंत्री ने समाज के नवयुवाओं से देश प्रदेश के विकास में योगदान देने का किया अपील

-संवाददाता-
कोरबा,05 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

जमनीपाली कोरबा के सीएसपीजीसीएल सीनियर क्लब में प्रगतिशील जायसवाल (कन्नौजिया) कलार समाज के नवनिर्वाचित कार्यकारिणी समिति के सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम में आज छत्तीसगढ़ शासन के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, वाणिज्य उद्योग व श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन शामिल हुए। स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कलार समाज के गौरवशाली व यशपूर्ण इतिहास की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज समाज के युवक युवती आईएएस, आईपीएस, राजनीति, शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीकी सभी क्षेत्रों में ऊंचे पदों में प्रतिष्ठित होकर समाज का नाम गौरवान्वित कर रहे है।

उन्होंने समाज के नवयुवाओं को देश प्रदेश के विकास में आगे बढ़कर योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि समाज के पदाधिकारियों के नेतृत्व में हमारे समाज ने अच्छा कार्य किया है। उन्होंने समाज के नवनियुक्त पदाधिकारियों से समाज के संगठन एवं उत्तरोत्तर विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आग्रह किया। कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने समाज के नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कलार समाज का समृद्धशाली इतिहास रहा है। शुरुआत से ही देश के विकास में समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। श्री देवांगन ने कहा कि समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की अगुवाई में कलार समाज और संगठित व मजबूत बनेगी। साथ ही विकास के नए राह पर आगे बढ़ेगी। इस अवसर पर विधायक कटघोरा श्री प्रेमचंद पटेल, समाज प्रमुख एवं कार्यकारिणी समिति के नवनिर्वाचित सदस्य सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

कलेक्टर एमसीबी राहुल वेंकट की जीवनशैली,कार्यप्रणाली लोगों के बीच बन रही है चर्चा का विषय,कर रही लोगों को प्रभावित

ऐसा कलेक्टर जो दिखावे से रहता है दूर,गाड़ी भी उनकी ऐसी जो सादगी की देती है मिशाल

कलेक्टर की गाड़ी साधारण गाड़ी है और जिसमे नम्बर प्लेट मात्र लगा है...

नवीन जिला एमसीबी को हाल फिलहाल में ऐसा कलेक्टर मिला है जिसकी जीवनशैली कार्यप्रणाली लोगों के बीच चर्चा का विषय है उससे और उनसे लोग प्रभावित हो रहे हैं प्रेरणा लेने का भी प्रयास कर रहे हैं और अन्य को भी प्रेरणा लेने की सलाह दे रहे हैं। लोग अन्य छोटे-छोटे उन अधिकारियों को उनसे सीख लेने प्रेरणा लेने के लिए कहते नजर आ रहे हैं जो हैं तो छोटे-छोटे शासकीय पदों पर लेकिन उनकी गाड़ी की नेमप्लेट और गाड़ी का मॉडल और फीचर काफी एडवांस है काफी महंगी गाड़ियां हैं वह जबकि खुद कलेक्टर की गाड़ी साधारण गाड़ी है और जिसमे नम्बर प्लेट मात्र लगा है कोई नेमप्लेट लगाकर वह रुतबा नहीं बघारते यह देखा जा सकता है। बता दें कि एमसीबी कलेक्टर राहुल वेंकट काफी सादगी से जीवन जीते नजर आते हैं और उनकी कार्यप्रणाली भी काफी प्रेरणा देने वाली है,न दिखावा न कोई पद को लेकर कोई घमंड या गर्व काम के प्रति जिम्मेदारियों के प्रति लगनशीलता और जिले के संचालन में निष्ठा उनकी खूबी देखी जा रही है।

निर्णय के लिए स्पष्टवादी हैं...

बताया तो यह भी जाता है कि वह अपने निर्णय के लिए स्पष्टवादी हैं और उन्हें दिखावा कम से कम बिल्कुल पसंद नहीं है। उनके ही अधीनस्थ अधिकारियों की बात करें जो अन्य विभागों के जिला अधिकारी हैं वह काफी महंगी गाड़ियों में चलते हैं और उसमें वह पदनाम का बोर्ड भी लगाकर चलते हैं। कई ब्लॉक स्तर अनुविभाग स्तर के अधिकारी भी अपनी बड़ी गाड़ियों के सामने पदनाम लिखना नहीं भूलते वैसे यह केवल एमसीबी जिले की ही बात नहीं है, अन्य जिलों के छोटे बड़े सभी अधिकारी अधिकारी होने के घमंड में चूर रहते हैं और वह दिखावे के लिए लाखों खर्च कर देते हैं जबकि वह चाहते जिले के विकास में उस राशि को खर्च कर सकते हैं। बड़े अधिकारियों से ज्यादा रुतबा छोटे छोटे अधिकारियों का देखने को मिलता है वह पदनाम बोर्ड के बिना शायद जीना भी अपना सम्भव नहीं मानते इसलिए निजी वाहनों के सामने खुद के आकार से अधिक आकार का वह पदनाम बोर्ड लगाकर चलते हैं। वैसे एमसीबी कलेक्टर से कितने लोग प्रेरणा ले पाते हैं यह देखने वाली बात है क्योंकि लालबत्ती हटने के बाद पदनाम पट्टिका का हटना शायद अधिकारियों को नागवार गुजरे।

कार्यवाहियों के लिए जाने जाते हैं एमसीबी कलेक्टर

एमसीबी कलेक्टर त्वरित कार्यवाहियों के लिए जाने जाते हैं,वह शासन आदेश के पालन में पूरी तरह तत्परता बरतते हैं। वह शासन आदेश की अनदेखी स्थानीय स्तर की नेतागिरी से न होने पाए यह बखूबी ख्याल रखते हैं। अधिकारी कर्मचारी उनके कार्यकाल के दौरान काफी स्वतंत्र होकर कार्य कर पा रहे हैं। वैसे वह गलतियों पर भी तत्काल कार्यवाही करते हैं।

अन्य आईएएस अधिकारियों को राहुल वेंकट से लेनी चाहिए प्रेरणा,कैसे किफायत से खुद रहते हैं और जिले को भी बेवजह के खर्चों से बचाते हैं...

जहां छोटे-छोटे अधिकारी भी नेमप्लेट लगाकर गाड़ी में अपनी झाड़ते हैं रुतबा,राहुल वेंकट की गाड़ी में नहीं है नेमप्लेट भी

कलेक्टर हो तो राहुल वेंकट जैसा...सादगी भरपूर और लोक सेवक ईमानदार

राहुल वेंकट जैसा आईएएस शायद ही देखने को मिले। एक कलेक्टर होने के बावजूद जिले के मुखिया का पद होने के बाद भी उनकी सादगी ऐसी की उनके नीचे के अधिकारियों का रुतबा शौक उनसे ज्यादा नजर आता है। वैसे वह एक ईमानदार लोकसेवक भी हैं यह उनकी खूबी है।

सरगुजा संभाग के सभी कलेक्टर इनोवा जैसी गाड़ियों से चलते हैं...

सरगुजा संभाग के एमसीबी कलेक्टर की गाड़ी काफी छोटी गाड़ी है। वहीं सम्भाग के अन्य सभी कलेक्टर इनोवा जैसी बड़ी गाड़ियों में सवारी करते हैं। एक तरह से कलेक्टर एमसीबी भविष्य के लिए संसाधनों की बचत के पक्षधर हैं और शासकीय राशि के दुरुपयोग के विरोधी इसलिए वह मितव्ययिता बरतते नजर आते हैं।

-न्यूज डेस्क-
एमसीबी,05 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के नवीन जिला एमसीबी के कलेक्टर अपने कार्यों को लेकर सुर्खियों में तो हैं ही और हो भी क्यों ना...क्योंकि उन्होंने काम ही कुछ ऐसा किया है इस समय वह पूरे छत्तीसगढ़ के अधिकारियों के लिए प्रेरणा बने हुए हैं, ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि यह युवा कलेक्टर अपने कलेक्टर होने का रुतबा भी नहीं दिखाते हैं, और अपनी पद का सही उपयोग जनता के लिए करते हैं, जहां उनके अधीनस्थ कार्य कर रहे कई अधिकारी अपने वाहन में बड़ा-बड़ा पदनाम का बोर्ड लगाकर चलते हैं और बताते हैं कि वह काफी बड़े व रसूखदार अधिकारी हैं, काफी महंगी गाड़ियों पर उनका आना-जाना होता है, कई कलेक्टर या अधिकारी तो अपने मन मुताबिक महंगी गाड़ियां अपने लिए अधिकृत करते हैं, पर यह ऐसे कलेक्टर हैं जो काफी साधारण गाड़ी से अपने कार्यालय पहुंचते हैं, और अपने गाड़ी के सामने कोई भी उन्होंने पदनाम का बोर्ड लगाकर नहीं रखा है, कोई यह नहीं कह सकता कि इस गाड़ी में एमसीबी के कलेक्टर चल रहे है, जबकि उन्हें जो गाड़ी मिली है इस गाड़ी पर वह नियमित अपने कार्यालय आते हैं और जाते हैं, पर वही उनके अधीनस्थ अधिकारी और कर्मचारी उनसे भी महंगी गाड़ी पर कार्यालय आते हैं व जाते हैं, अब ऐसे में एमसीबी कलेक्टर की सादगी कहें या फिर उनकी अच्छी सोच को सलाम करें, जो शायद बाकियों के लिए प्रेरणा ही साबित होंगे।

सभी कलेक्टर की गाड़ी के सामने एक बड़ा सा प्लेट लगा रहता है

एमसीबी कलेक्टर की गाड़ी के आगे कोई नेमप्लेट नहीं लगा है वरना अन्य उदाहरण देखे जाए तो कई कलेक्टरों की गाड़ी में पुलिस अधीक्षक सहित सीईओ जिला पंचायत की गाड़ियों में यहां तक कि नायब तहसीलदार,जिला शिक्षा अधिकारी की गाड़ियों के सामने बड़े बड़े अक्षरों में पदनाम लिखा मिल जाएगा।

सही काम के लिए नेताओं की पैरवी को भी ठुकरा देते हैं...

कलेक्टर एमसीबी को लेकर बताया जाता है कि वह सही काम होने पर किसी की नहीं सुनते। जो सही होगा वही वह करते हैं। बताया जाता है कि काम सही है वह होगा उनके कार्यकाल में फिर क्यों न कोई नेता ही काम में बाधा डालने प्रयास करे।

युवाओं के लिए भी प्रेरणा हैं एमसीबी कलेक्टर

युवाओं के लिए प्रेरणा हैं एमसीबी कलेक्टर...आज जब दिखावे की चाह में युवा गलत राहों पर भी निकल पड़ते हैं वह यह देखकर सीख सकते हैं कि कैसे अपनी मेहनत से कोई कलेक्टर बना और जब उसे सभी सुविधाएं मनमाफिक मिल सकीं वह उनका उपभोग भी इस हिसाब से करने लगा जिसमें मितव्ययिता का पूरा ध्यान रखा गया। कुल मिलाकर कैसे संसाधनों की बचत के साथ आने वाली पीढ़ी को कुछ बेहतर छोड़कर जाना है यह एमसीबी कलेक्टर से सीखा जा सकता है।

अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति एवं समाजिक संगठनों ने पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के विरोध में केंडल मार्च निकाला

बीजापुर के युवा पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या करने वालों को गिरफ्तारी के साथ पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग की

-संवाददाता-
बिलासपुर,05 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

बीजापुर के युवा पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के विरोध में अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति एवं प्रेस क्लब बिलासपुर, समाजिक संगठनों के संयुक्त रूप से केंडल मार्च निकाला और विरोध प्रकट किया केंडल मार्च देवकीनंदन चौक से लेकर सिम्स चौक तक निकाला गया उसके पश्चात सभी ने एक स्वर में अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की और कड़ी कार्यवाही के लिए मुख्यमंत्री से अनुरोध किया।

छत्तीसगढ़ में पत्रकारों के लिए पत्रकारिता करना अब आसान नहीं रहा प्रदेश के किसी न किसी जिले ब्लॉक में पत्रकार प्रताड़ना का शिकार हो रहा है ये कहना अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द शर्मा ने कहते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से बीजापुर के युवा पत्रकार मुकेश चंद्राकर की ठेकेदार के द्वारा एवं उसके साथ शामिल सभी अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए उनकी सम्पति को कुर्क करने एवं फांसी की मांग की इसके अलावा पत्रकार के परिवार को एक करोड़ रूपये की आर्थिक मदद देने की मांग की है।अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राकेश परिहार, प्रदेश समिति के उतपलसेन गुप्ता, डी पी गोस्वामी, अमित संतवानी, ने प्रदेश में पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग पर जोर देते हुए राज्यपाल से अनुरोध किया पत्रकार सुरक्षा कानून का जो ड्राफ्ट उनके पास विगत दो वर्षो से रखा हुआ है या तो उसे विधासभा वापस भेजे या उसे पास करते हुए कानून बनाने की दिशा में आगे बढ़े जिससे छत्तीसगढ़ के पत्रकार स्वतंत्र रूप से पत्रकारिता कर सकें और उन्हें सुरक्षा मिल सकें। इसके अलावा प्रेस क्लब बिलासपुर के अध्यक्ष इरशाद खान, समाजिक कार्यकर्तृता प्रिया शुक्ला, नंद कश्यप, प्रथमेश मिश्रा ने पत्रकार को न्याय मिले और अपराधी सलाखो के पीछे भेजा जाये और उन पर कड़ी कार्यावही की मांग की। पत्रकार की हत्या के विरोध में अधिक संख्या में जिले के पत्रकार,समाजिक कार्यकर्तृता देवकीनंदन चौक में मौजूद रहें।

शिक्षक,छात्र,स्वयंसेवक,वाहन चालक एवं आम जनों ने जाना यातायात के नियम

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,05 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार के आदेशानुसार, राज्य सरकार के मंसानुरूप कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी एवं पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे के दिशा-निर्देश पर जिले में 01 जनवरी से 31 जनवरी तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जा रहा है, जिसके तहत गत शुक्रवार को डाइट सलका में शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैकुंठपुर के एनएसएस कैंप में शिवरार्थियों को, शनिवार को स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय सोनहत में विकासखंड सोनहत के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से आए शिक्षकों को, रविवार को राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी देने के साथ ही नियमों का पालन कर वाहन चालन करने वाले चालकों को गुलाब फूल भेंट कर सम्मानित किया गया।

लांस नायक महेश मिश्रा द्वारा यातायात नियमों, संकेतों एवं चिन्हों की जानकारी प्रदान करने के साथ ही नाबालिग छात्र-छात्राओं को वाहन न चलाने की समझाइश दी गई साथ ही 18 वर्ष से ऊपर की आयु होने पर ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के बाद वाहन चलाने के लिए कहा गया। यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई, छात्र-छात्राओं व विद्यालयीन स्टाफ के द्वारा पूछे गए प्रश्नों का सही उत्तर दिया गया, छात्रों को भविष्य में यातायात नियमों का उल्लंघन ना करने के लिए संकल्पित किया गया साथ ही पूछे गए प्रश्नों के सही जवाब देने वालों को पुरस्कृत किया गया। यातायात लांस नायक महेश मिश्रा द्वारा यातायात के अनिवार्य, चेतावनी एवं सूचनात्मक चिन्ह की जानकारी के साथ यातायात संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए चौराहा पार करने का नियम, ट्रैफिक सिग्नल लाइट, हाथों के संकेतों के माध्यम से यातायात व्यवस्था का संचालन, हेलमेट और सीट बेल्ट की अनिवार्यता, दो पहिया वाहन में तीन सवारी ना चलना, वाहन चलाते समय मादक द्रव्यों का सेवन ना करना, तेज गति व लापरवाही पूर्वक वाहन ना चलाना, प्रेशर हॉर्न का उपयोग ना करना,वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने, ज़ेब्रा क्रॉसिंग रेलवे क्रॉसिंग, गुड समेरिटन,लाइसेंस बनवाने के नियम, दुर्घटना के कारण, दुर्घटना घटित होने पर चालक के कर्तव्य, सड़क पर वाहन चलाने के सही तरीका,मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराएं व उसमें निर्धारित जुर्माने की राशि से संबंधित जानकारी प्रदान की गई एवं जीवन में यातायात नियमों के पालन करने की शपथ दिलाई गई। उक्त संपूर्ण जागरूकता अभियान के दौरान यातायात प्रभारी विपुल आनंद जांगड़े, सहायक उप निरीक्षक किशुन भगत के साथ यातायात स्टाफ, विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं से आये प्राचार्य,विद्यालयीन शिक्षक-शिक्षिका एवं काफी संख्या में छात्र-छात्रा, स्वयंसेवक, वाहन चालक व आम- जनों की सहभागिता रही।

पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या पर प्रतापपुर में शोकसभा,दोषियों को फांसी की मांग

-संवाददाता-
प्रतापपुर,05 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

1 जनवरी को बीजापुर में पत्रकार मुकेश चंद्राकर की जघन्य हत्या से गहरा आक्रोश और शोक का माहौल है। इस घटना के विरोध और दिवंगत पत्रकार को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रतापपुर संगठन ने मोमबत्ती जलाकर शोकसभा का आयोजन किया। इस दौरान सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण किया।

पत्रकार संघ की तीखी प्रतिक्रिया

कार्यक्रम में उपस्थित पत्रकार संघ के अध्यक्ष कृष्ण मुरारी शुक्ला सहित अन्य वरिष्ठ पत्रकारों ने इस घटना की तीखी निंदा की। उन्होंने कहा कि पत्रकारों पर हो रहे हमले लोकतंत्र पर हमला हैं। घटना के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग करते हुए उन्होंने फांसी की सजा की मांग की।

पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग

शोकसभा में सभी पत्रकारों ने एक स्वर में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को सुरक्षित कार्य वातावरण उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है ताकि वे निडर होकर अपने कर्तव्यों का पालन कर सकें।

उपस्थित प्रमुख पत्रकार

इस शोकसभा में पत्रकार संघ के अध्यक्ष कृष्ण मुरारी शुक्ला, राजेश गुप्ता, चंद्रिका कुशवाहा, दीपक चंद मित्तल, जीसान खान, मनीष गुप्ता, सोनू कश्यप, कौशलेन्द्र दुबे, हरि कुशवाहा,सहित निशांक शुक्ला, गौरव जयसवाल, पवन गुप्ता शामिल थे सभी ने इस घटना को लेकर प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की और कहा कि अगर दोषियों को जल्द सजा नहीं दी गई और पत्रकार सुरक्षा कानून लागू नहीं हुआ तो बड़े पैमाने पर आंदोलन किया जाएगा। यह शोकसभा न केवल दिवंगत पत्रकार के प्रति सम्मान व्यक्त करने का अवसर थी, बल्कि पत्रकार समुदाय के लिए सुरक्षा और न्याय की पुरजोर मांग का प्रतीक भी रही।

CMYK

18 साल के गेंदबाज ने बाबर आजम को दिखा दिए दिन में तारे

केप टाउन,05 जनवरी 2025। साउथ अफ्रीका क्रिकेट टीम ने दूसरे टेस्ट मैच में पाकिस्तान पर अपना शिकंजा कस लिया है। साउथ ने मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 615 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में पाकिस्तान की बल्लेबाजी बुरी तरह से लड़खड़ा गई। तीसरे दिन के लंच ब्रेक तक पाकिस्तान ने 155 रन के स्कोर पर अपने 6 विकेट गंवा दिए। इस दौरान पाकिस्तान को सबसे बड़ा झटका बाबर आजम के रूप में लगा जब फिफ्टी बनाने के बाद वह 18 साल के गेंदबाज क्वेना मफाका की गेंद पर अपना विकेट फेंक दिया।

बाबर आजम पिछले लंबे समय से खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं। हालांकि, साउथ अफ्रीका दौरे पर बाबर आजम की बल्लेबाजी में काफी सुधार देखने को मिला, लेकिन अच्छी शुरुआत के बावजूद बाबर आजम अपनी पारी को बड़ा नहीं बना सके। बाबर ने अपनी पारी में 127 गेंद का सामना किया, जिसमें उन्होंने 58 रन बनाए। बाबर के अलावा कप्तान मोहम्मद रिजवान ने भी पाकिस्तान के लिए बल्लेबाजी में अपना कमाल दिखाया। पाकिस्तान के खिलाफ इस मुकाबले में साउथ अफ्रीका के बल्लेबाजों ने कमाल का खेल दिखाया। टीम के लिए 28 साल

के बल्लेबाज रयान रिकेल्टन ने दमदार 343 गेंद में 259 रनों की पारी खेली। अपनी इस पारी में 29 चौके और 3 छक्के भी लगाए। इसके अलावा साउथ अफ्रीका की तरफ से कप्तान टेम्बा बावुमा और विकेटकीपर बल्लेबाज काइल वेरिन ने भी शतकीय पारी खेली। बावुमा ने टीम के लिए 106 रनों का योगदान दिया जबकि काइल वेरिन ने 100 रनों की पारी खेली। वहीं मार्को येनसन ने भी ने 60 रन बनाए।

इसके अलावा पाकिस्तान की गेंदबाजी की बात करें तो वह बहुत ही साधारण रही। पाकिस्तान की तरफ से चार गेंदबाजों ने 100 से अधिक रन खर्च कर डाले। वहीं विकेट की बात करें तो मोहम्मद अब्बास और सलमान आगा को तीन-तीन विकेट हासिल हुए। इसके अलावा मीर हमजा और खुर्रम शहजाद के खाते में दो-दो सफलता आई।

वनडे और टी 20 के बाद अब टेस्ट में भी बाबर बने क्वेना का शिकार

बाबर आजम के लिए साल 2024 बल्ले से तीनों ही फॉर्मेट में बिल्कुल भी अच्छा नहीं रहा था जिसमें उन्हें पाकिस्तान टीम की कप्तानी से भी पूरी तरह से हाथ धोना पड़ा था। वहीं अब नए साल की शुरुआत होने के साथ बाबर से सभी को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। केपटाउन टेस्ट में बाबर अपनी नजरें पूरी तरह से जमा चुके थे लेकिन क्वेना ने उनकी उम्मीदों पर पूरी तरह से पानी फेरने का काम किया। बाबर को टेस्ट में अपना शिकार बनाने से पहले क्वेना उन्हें वनडे और टी 20 में भी पवेलियन का रास्ता दिखा चुके हैं। ऐसे में 18 साल के क्वेना अब बाबर आजम के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में एक बड़ा सिरदर्द बनते हुए नजर आ रहे हैं। बाबर को क्वेना ने सबसे पहले टी20 इंटरनेशनल में अपना शिकार बनाया जब उन्होंने डक पर उन्हें पवेलियन का रास्ता दिखाया था। इसके बाद वनडे में क्वेना ने बाबर को आउट किया वहीं अब टेस्ट में अपने पहले विकेट के तौर पर मफाका ने बाबर को पवेलियन का रास्ता दिखाया है।

साउथ अफ्रीका की स्थिति काफी मजबूत

केपटाउन टेस्ट मैच को लेकर बात की जाए तो उसमें मेजबान साउथ अफ्रीका की स्थिति काफी मजबूत नजर आ रही है, जिसमें उन्होंने अपनी पहली पारी में जहां 615 रनों का विशाल स्कोर बना दिया तो वहीं तीसरे दिन के खेल में लंच के समय तक पाकिस्तान टीम के 6 विकेट सिर्फ 155 के स्कोर तक हासिल कर लिए थे। ऐसे में अफ्रीकी टीम के पास इस मुकाबले को पारी से जीतने का भी शानदार मौका है।

ऑस्ट्रेलिया ने बीजीटी जीत ली तो क्या हुआ,सबसे बड़ा अवॉर्ड तो भारत को ही मिला

सिडनी,05 जनवरी 2025। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली गई बॉर्डर-गावस्कर सीरीज मेहमान टीम की हार के साथ खत्म हुई है.

टीम इंडिया को 5 मैचों की इस सीरीज में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा. नतीजन, 10 साल बाद पैट कमिंस ने भारत के हाथों से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी छीन ली है. भले ही ऑस्ट्रेलिया ने ये ट्रॉफी जीत ली हो, लेकिन एक बड़ा अवॉर्ड भारत के खाते में आया है.ऑस्ट्रेलिया के साथ खेली गई बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में अगर सबसे अच्छे प्रदर्शन की बात करें, तो जसप्रीत बुमराह का नाम ही जहन में आता है. बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को खूब परेशान किया और विकेट चटकाए. बूम-बूम ने बॉर्डर-गावस्कर सीरीज 2024-25 में 5 मुकाबले खेले, जिसमें उन्होंने 13 के औसत से 32 विकेट लिए.

ऑस्ट्रेलिया में सुनील गावस्कर का हुआ अपमान

इस बड़ी वजह से खुश नहीं दिग्गज भारतीय बल्लेबाज

मेलबर्न,05 जनवरी 2025। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जाने वाली प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की शुरुआत साल 1996 में हुई थी। तब भारत के गावस्कर और ऑस्ट्रेलिया के एलन बॉर्डर ने ही सिर्फ टेस्ट क्रिकेट में 10000 से ज्यादा रन बनाए थे। इसी वजह से इस ट्रॉफी का नाम इन दोनों के दिग्गजों के नाम पर पड़ा। अब साल 2024-25 में हुई बीजीटी को ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 3-1 से अपने नाम कर लिया है और भारतीय टीम को करारी शिकस्त झेलनी पड़ी है। लेकिन अब गावस्कर ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को ट्रॉफी प्रदान करने के लिए बुलाए नहीं जाने पर नाराजगी जताई है। एलेन बॉर्डर ने जिस समय ऑस्ट्रेलियाई टीम को ट्रॉफी दी। उस समय गावस्कर क्रिकेट ग्राउंड में मौजूद थे। लेकिन उन्हें नजरअंदाज किया गया।

सुनील गावस्कर ने कही ये बात

सुनील गावस्कर ने कहा कि मुझे अवॉर्ड समारोह में जाकर खुशी होती। आखिरकार यह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी है और ऑस्ट्रेलिया तथा भारत से जुड़ी है। मैं मैदान पर ही था। मुझे फर्क नहीं पड़ता कि ट्रॉफी ऑस्ट्रेलिया को दी जा रही थी। उन्होंने बेहतर क्रिकेट खेला और जीते। ठीक है। सिर्फ इसलिए कि मैं एक भारतीय हूं। अपने अच्छे दोस्त एलेन बॉर्डर के साथ ट्रॉफी प्रदान करके मुझे खुशी होती।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बाद में पुष्टि की कि सुनील गावस्कर को पता था कि अगर भारतीय टीम सिडनी टेस्ट जीतकर ट्रॉफी बरकरार रखती तो उन्हें भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह को ट्रॉफी देने के लिए बुलाया जाता। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि हम मानते हैं कि एलेन बॉर्डर और सुनील गावस्कर दोनों को मंच पर बुलाया जाता तो अच्छा रहता।

ऑस्ट्रेलिया ने 10 साल बाद जीती बीजीटी ट्रॉफी

पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट मैच में भारतीय टीम ने मुकाबला 295 रनों से जीता था। लेकिन इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दमदार वापसी की और दूसरा मुकाबला 10 विकेट से अपने नाम कर लिया। फिर तीसरा टेस्ट मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया और ड्रॉ रहा। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने मेलबर्न और सिडनी में हुए टेस्ट मैचों में जीत हासिल की और सीरीज 3-1 से जीत ली। ऑस्ट्रेलिया ने 10 साल बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया है।

पैट कमिंस ने रोहित-बुमराह को लेकर दिया बयान

हमारा 10 साल का सपना पूरा हुआ

मेलबर्न,05 जनवरी 2025। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने पैट कमिंस की कप्तानी में भारत के खिलाफ 5 मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 को 3-1 से अपने नाम करने में कामयाब हुई। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए इस सीरीज का आखिरी मुकाबला सिर्फ तीन दिनों के अंदर ही खत्म हो गया है, जिसे मेजबान कंगारू टीम ने 6 विकेट से अपने नाम किया। इसी के साथ जहां ऑस्ट्रेलियाई टीम 10 साल के बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को वापस अपने कब्जे में करने में कामयाब हुई तो वहीं वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 के फाइनल में भी अपनी जगह को पक्का कर लिया है। सिडनी टेस्ट में जीत के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने जहां अपने प्लेयर्स के प्रदर्शन की सराहना की तो वहीं उन्होंने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और जसप्रीत बुमराह का भी शुक्रिया अदा किया।

इस ट्रॉफी में टीम में शामिल कई प्लेयर्स ने नहीं जीता था

पैट कमिंस ने सिडनी टेस्ट मैच में जीत के बाद कहा कि ये सीरीज सच में हमारे लिए काफी शानदार रही जिसमें से हमारी टीम में शामिल कई प्लेयर्स ने इस ट्रॉफी को नहीं जीता था। हमने सही रणनीति बनाने के साथ उसी के अनुसार आगे बढ़े। मुझे अपनी टीम के प्रदर्शन पर काफी गर्व है। पर्थ टेस्ट मैच में हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में कामयाब नहीं हो सके थे। ऐसी टीम का हिस्सा होना मुझे एक खास एहसास भी कराता है और हमने जो हासिल किया है उस पर गर्व भी है। इस सीरीज के दौरान हमारी टीम से तीन प्लेयर्स ने डेब्यू किया जिन्होंने अपने खेल से प्रभावित भी किया। ये एक ऐसी बड़ी सीरीज थी जिसकी तैयारी आपको काफी पहले से शुरू करनी होती है। भारत जैसी टीम को हराने के लिए आपको मैदान पर कुछ खास प्रदर्शन करना होता है।

फैंस ने भी इस सीरीज को काफी एन्जॉय किया

अपने बयान में पैट कमिंस ने आगे कहा कि ये मेरी अब तक की सबसे पसंदीदा टेस्ट सीरीज में से एक है और मैं रोहित शर्मा के साथ जसप्रीत बुमराह का शुक्रिया अदा करता हूं। इस पूरी सीरीज के दौरान फैंस भी काफी अच्छी संख्या में स्टेडियम आए और उन्होंने पूरी सीरीज को काफी एन्जॉय भी किया। यहां सिडनी में हुए तीनों दिनों के खेल में सभी टिकट बिके और इससे ये साबित भी होता है कि टेस्ट क्रिकेट को अभी भी लोग काफी पसंद करते हैं।

बुमराह सबसे मुश्किल गेंदबाज, जिनका मैंने करियर में सामना किया:ख्वाजा

सिडनी,05 जनवरी 2025। ऑस्ट्रेलिया के ओपनर उस्मान ख्वाजा ने कहा कि भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह उनके क्रिकेट करियर के सबसे कठिन गेंदबाज हैं, जिनका सामना उन्होंने किया है।

बुमराह ने इस सीरीज में 5 मैचों में 32 विकेट लिए, जिसमें उन्होंने 13.06 की औसत और 28.37 के स्ट्राइक रेट से गेंदबाजी की। उन्होंने प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीता, हालांकि भारत 3-1 से सीरीज हार गया।

ख्वाजा ने एबीसी स्पोर्ट से कहा, मुझे बस बुमराह का सामना करना पड़ रहा था। अफसोस है कि वह चोटिल हो गए, लेकिन हमारे लिए यह राहत की बात थी। आज के विकेट पर उनका सामना करना बुरा सपना होता। जब हमने देखा कि वह मैदान पर नहीं हैं, तो हमें लगा कि अब हमारे पास मौका है। वह सबसे कठिन गेंदबाज हैं जिनका मैंने सामना किया है। उन्होंने युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास के साथ बल्लेबाजी का अनुभव भी साझा किया। उन्होंने कहा, मैंने कभी किसी को इतना आत्मविश्वासी नहीं पाया। वह एक ऐसा इंसान है जो अपनी बात मुस्कान के साथ कहता है, और यह काफी आकर्षक लगता है।

बुमराह के पीठ की समस्या के कारण तीसरे दिन गेंदबाजी नहीं करने पर ऑस्ट्रेलिया को बड़ी राहत मिली। बाएं हाथ के बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने प्रसारकों से बातचीत में कहा, मुझे लगता है कि 15 लोग खुश थे कि बुमराह ने आज गेंदबाजी नहीं की। वह शानदार खिलाड़ी हैं और उनका प्रदर्शन अद्भुत था।

लूसी हैमिल्टन को अंडर-19 महिला टी 20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया का कप्तान बनाया गया

सिडनी,05 जनवरी 2025। तेज गेंदबाज लूसी हैमिल्टन को 18 जनवरी से मलेशिया में शुरू होने वाले आगामी आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया का कप्तान बनाया गया है। लेग स्पिनर हसरत गिल को 16 टीमों के इस टूर्नामेंट के लिए उप-कप्तान नियुक्त किया गया है।

साल 2023 में लूसी 16 साल की उम्र में दक्षिण अफ्रीका में आयोजित आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप में हिस्सा ले चुकी हैं। वह लगातार दूसरी बार अंडर-19 विश्व कप में खेलेंगी। इस ऑलराउंडर ने 2022 में क्रीसलैंड फायर के लिए 15 साल की उम्र में अपना पहला मैच खेला था, जिससे वह राज्य की दूसरी सबसे कम उम्र की डेब्यू खिलाड़ी बन गई थीं, जबकि उन्होंने 16 साल की उम्र में डब्ल्यूबीबीएल में डेब्यू किया था।

बाएं हाथ से तेज गेंदबाजी करने वाली लूसी डब्ल्यूबीबीएल के इतिहास में पांच विकेट लेने वाली सबसे कम उम्र की

क्रिकेटर बनी, जब उन्होंने पिछले साल नवंबर में ड्रमॉयन ओवल में मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ ब्रिस्बेन हीट के लिए चार ओवर में 5-8 विकेट लिए थे।कप्तान बनाए जाने पर तेज गेंदबाज लूसी हैमिल्टन ने कहा, अंडर 19 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया का कप्तान बनाया जाना एक बहुत बड़ा सम्मान है, मैं अपनी टीम का नेतृत्व करने के अवसर के लिए अविश्वसनीय रूप से आभारी हूं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) द्वारा जारी एक बयान में लूसी ने कहा, मैं ऑस्ट्रेलिया के लिए फिर से खेलने को लेकर रोमांचित हूं, विश्व कप युवा खिलाड़ियों के लिए सबसे बड़ा उत्सव है और एक टीम के रूप में हम अपने सामने मौजूद अवसर का लाभ उठाने के लिए उत्साहित हैं। इस ऑलराउंडर ने इस सीजन में डब्ल्यूबीबीएल में 12 विकेट लेकर संयुक्त रूप से सातवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली खिलाड़ी का स्थान हासिल किया। लूसी में वह प्रतिभा है जिसके दम पर उन्होंने विश्व कप में अपने देश का नेतृत्व करने का मौका पूरी तरह से अर्जित किया है।

ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 कोच क्रिस्टन बीम्स ने कहा, विश्व मंच पर वह इससे पहले प्रदर्शन और अपनी क्षमता दिखा चुकी हैं और हम इस बात को लेकर उत्साहित हैं। लूसी हमारी टीम की कप्तान होंगी और उन्हें पूरी टीम का सपोर्ट हासिल है।

ये जवानी है दीवानी की री-रिलीज ने सिनेमाघरों में मचाई धूम

रणबीर-दीपिका का जादू फिर से लाया रंग!

अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित ये जवानी है दीवानी ने सिनेमाघरों में शानदार वापसी की है। 3 जनवरी को 46 शहरों में 140 पीवीआर आईनॉक्स सिनेमाघरों में फिर से रिलीज़ हुई इस फ़िल्म को लोगों ने खूब पसंद किया। मूल रूप से 31 मई, 2013 को रिलीज़ हुई इस फ़िल्म ने रणबीर कपूर को सुपरस्टार बना दिया।करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, ये जवानी है दीवानी की लोकप्रियता इसके असाधारण संगीत, शानदार लोकेशन और समकालीन कहानी की वजह से है। रणबीर कपूर, दीपिका पादुकोण, आदित्य रॉय कपूर और कल्कि कोचलिन के दमदार अभिनय के दम पर यह फ़िल्म एक कल्ट क्लासिक बन गई है।पुन- रिलीज़ की शानदार एडवांस बुकिंग ब्रिक्री - बुक माई शो पर 41,440 टिकटें बिकीं - इसकी निरंतर अपील को दर्शाती है। हैदराबाद में अतिरिक्त शो जोड़े गए हैं, जो फ़िल्म की नई मांग को दर्शाता है।ये जवानी है दीवानी की वापसी ने फिल्म प्रेमियों के बीच इसकी लोकप्रियता को और मजबूत किया है। इस री-रिलीज़ से नए दर्शकों को फिल्म के जादू का अनुभव करने का मौका मिलेगा, साथ ही पुराने दर्शकों की पुरानी यादें भी ताज़ा होंगी।

कॉमेडी में अश्लीलता ने टैलेंट को किया पीछे:खुशबू कमल

कॉमेडी का सुनहरा दौर शायद अब खत्म हो गया है, और अभिनेत्री खुशबू कमल के अनुसार, इसका कारण आजकल के सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और बनने वाले कॉमेडियन हैं जो सोचते हैं कि चौंकाने वाली बातें ही मजाक हैं। खुशबू कमल, जिन्हें भाभी जी घर पर हैं और एफआईआर जैसे प्रसिद्ध शोज में उनकी भूमिकाओं के लिए जाना जाता है, आज के कॉमेडी सीन के बारे में साफ-साफ बोल रही हैं, खासकर उर्फी जावेद, कुशा कपिला और कॉमेडियन समय रैना को यह कहकर कि वे कॉमेडी को स्किन, अपमान और निम्न स्तर के मजाक का सर्कस बना रहे हैं। खुशबू कमल का कहना है कि कॉमेडी का असली सार अब कहीं खो गया है। उर्फी जावेद, कुशा कपिला और समय रैना जैसे लोग कॉमेडी के नाम पर सिर्फ ध्यान खींचने का काम कर रहे हैं।

एनटीआर की ब्लॉकबस्टर फिल्म देवरा ने सिनेमाघरों में पूरे किये 100 दिन

एनटीआर की ब्लॉकबस्टर फिल्म देवरा ने 100 दिन पूरे कर लिए हैं। हाल के दिनों में यह कहा जा सकता है कि सिनेमाघरों में किसी फिल्म का दस दिन तक चलना बड़ी बात है। ऐसी ही एक फिल्म देवरा ने छह केंद्रों में सौ दिन का आंकड़ा छू लिया है। फिल्म सूत्रों का कहना है कि पुष्पा 2 जैसी बड़ी हिट फिल्म के सामने भी देवरा का यह रिकॉर्ड हासिल करना कोई आम बात नहीं है। हाल के दिनों में किसी फिल्म का 100 दिन या 50 दिन तक चलना कोई असामान्य बात नहीं है। हालांकि, देवरा ने उस कमी को पूरा कर लिया है।फिल्म देवरा का 50 दिन का पोस्टर 52 केंद्रों में रिलीज किया गया है। अब देवरा ने छह केंद्रों में सफलतापूर्वक 100 दिन पूरे कर लिए हैं। इसी सिलसिले में निर्माताओं ने हाल ही में एक पोस्टर जारी किया है। 15 नवंबर को देवरा के 50 दिन के जश्न का जश्न मनाने वाले प्रशंसक अब 100 दिन के उत्सव को बड़े उत्साह के साथ मना रहे हैं। देवड़ा ने चिलकालुरिपेट (रामकृष्ण), बी. कोठाकोटा (द्वारका), कल्लुरु (एमएनआर) और रोमपिचार्ला (एमएम डीलक्स) चित्तूर जिले के सिनेमाघरों में 100 दिन पूरे कर लिए हैं। जान्हवी कपूर ने कोराताला शिवा द्वारा निर्देशित फिल्म देवड़ा से तेलुगु में डेब्यू किया। इसमें सैफ अली खान, श्रुति मराठे, प्रकाश राज और श्रीकांत मुख्य भूमिकाओं में हैं। सिनेमैटोग्राफी के साथ-साथ संगीत ने भी दर्शकों को प्रभावित किया। निर्माताओं ने पहले ही घोषणा कर दी है कि देवड़ा पार्ट 2 भी आएगा।

बीजेपी ने 15 जिलों में की नए अध्यक्षों की घोषणा

पत्रकार सुरक्षा कानून बनाएगी साय सरकार

रायपुर,05जनवरी 2025(ए)। विष्णुदेव सरकार पत्रकार सुरक्षा कानून बनाएगी। सीएम साय ने घोषणा की है। आगे उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि बीजापुर में पत्रकार की हत्या हुई है, उनके प्रति हमारी संवेदनाएं है। हमारी सरकार मुस्तैदी से इस पर कार्रवाई कर रही है। एसआईटी का गठन किया गया है। तीन अपराधी पकड़े भी गए हैं जिनमें से एक कांग्रेस का कार्यकर्ता था। किसी भी दोषी को बक्शा नहीं जाएगा। ठेकेदार के सारे अकाउंट सील कर दिए गए हैं और उसके अवैध कब्जे भी हटाए गए हैं।

हाईकोर्ट ने आईपीएस जीपी सिंह की पत्नी और व्यापारी के खिलाफ एफआईआर को किया रद्द

बिलासपुर,05जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में आईपीएस अधिकारी जीपी सिंह की पत्नी मनप्रीत कौर और व्यापारी प्रितपाल सिंह के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया है। यह निर्णय चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने सुनाया।

- » किसे मिली कहां की जिम्मेदारी
- » बीजेपी ने घोषित किए जिला अध्यक्ष के नाम
- » छत्तीसगढ़ के 15 जिलों के अध्यक्ष घोषित
- » अब प्रदेश अध्यक्ष के लिए होगा चुनाव
- » रायपुर, दुर्ग समेत कई जिलों में नए अध्यक्ष

रायपुर,05जनवरी 2025(ए)। नगरीय निकाय चुनाव से पहले बीजेपी ने अपने संगठन में बड़ा बदलाव किया है। संगठन चुनाव के दौरान बीजेपी ने रविवार को जिला अध्यक्षों की घोषणा कर दी है। जिला की लिस्ट को अलग-अलग घोषित किया गया है। बीजेपी ने अभी 15 जिलों के अध्यक्षों की घोषणा की है। जिला अध्यक्षों की घोषणा का बाद अब माना जा रहा है कि प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी।नगरीय निकाय चुनाव से पहले बीजेपी ने संगठन के सीनियर नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी है। राज्य में इसी साल फरवरी महीने में नगरीय निकाय चुनाव प्रस्तावित हैं। मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव के कैबिनेट में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं।

किस जिले में किसे बनाया गया अध्यक्ष

रायपुर ग्रामीण की जिम्मेदारी श्याम नारंग को सौंपी गई है।
कांकेर जिले की जिम्मेदारी महेश जैन को दी गई है।
रायपुर शहर जिला के अध्यक्ष रमेश ठाकुर बने हैं।
भिलाई में पुरुषोत्तम देवांगन को जिम्मेदारी सौंपी गई है।
दुर्ग में सुरेंद्र कौशिक को अध्यक्ष बनाया गया है।
बीजापुर में घासीराम नाग को नियुक्ति किया गया है।
गौरेला पेंड्रा लालजी यादव का चयन किया है।
बालोद जिले में चमन देशमुख को अध्यक्ष बनाया गया है।
सूरजपुर जिले का भाजपा अध्यक्ष मुरलीधर सोनी को बनाया गया है।
मुंगेली जिले का भाजपा अध्यक्ष दीनानाथ केशरवानी को बनाया गया है।
रायगढ़ जिले के भाजपा अध्यक्ष अरूंणधर दिवान बने हैं।
बलरामपुर जिले के भाजपा अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल
जशपुर जिले के भाजपा अध्यक्ष भरत सिंह को बनाया गया है।
चौकी मोहला मानपुर में नम्रता सिंह को जिम्मेदारी सौंपी गई है।
कोरबा जिले के भाजपा अध्यक्ष मनोज शर्मा को बनाया गया है।

प्रदेश अध्यक्ष में पांच नाम

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष की रेस में पांच प्रमुख दावेदार हैं। धरमलाल कौशिक, शिवरतन शर्मा, विक्रम उसेंडी, नारायण चंदेल और किरण सिंहदेव। बीजेपी में यह चर्चा है कि जातिगत समीकरण को ध्यान में रखते हुए बीजेपी इस बार किसी ओबीसी चेहरे को प्रदेश अध्यक्ष बना सकती है। इसके पीछे तर्क दिया जा रहा है कि छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय कैबिनेट में सभी वर्गों का संतुलन है। ऐसे में ओबीसी चेहरे पर दांव लगा सकती है।

महापौर पद नहीं छोड़ना चाहते एजाज ढेबर

रायपुर,05जनवरी 2025(ए)। रायपुर नगर पालिका निगम के निर्वाचित परिषद का कार्यकाल कायदे से आज याने 5 जनवरी को खत्म हो गया है, कल से कलेक्टर बतौर प्रशासक कामकाज संभालेंगे,लेकिन इसके पहले ही महापौर एजाज ढेबर ने प्रशासक के हाथों में निगम का कामकाज सौंपने से इनकार कर नया विवाद पैदा कर दिया है। महापौर एजाज ढेबर ने अपने औपचारिक कार्यकाल के अंतिम दिन कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा में कहा कि हम अपने कार्यकाल को खत्म नहीं मानेंगे। चुनाव में देरी हमारी वजह से नहीं हुआ है. 70 पार्षदों को जनता ने चुना है। हम रायपुर शहर को एक प्रशासक के हाथ में नहीं दे सकते। हम रायपुर की जनता के लिए सभी वार्डों के कार्य को देखते रहेंगे। जैसे ही नई परिषद आएगी, हम उसको अपना काम सौंप देंगे। इसके साथ ही एजाज ढेबर ने कार्यकाल ख़त्म होने पर कहा कि मैं डंके की चोट पर कह सकता हूं कि मर्दों की तरह काम करके आया हूं। बीजेपी ने भ्रष्टाचार के कई आरोप लगाए हैं लेकिन पांच साल में एक भी साबित नहीं कर पाए। जब मैं महापौर बना तो सब कहने लगे मुस्लिम महापौर बन गया,या मुस्लिम होना पाप है?. मैंने बिना जात-पात के, भेदभाव के सभी के लिए काम किया।

महतारी वंदन योजना में फिर से होंगे रजिस्ट्रेशन

- » दोबारा खुलेगा पोर्टल, मंत्री ने बताया...कब से शुरू होगा दूसरा फेज
- » छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना नहीं होगी बंद
- » मंत्री ने कहा...महिलाओं के खाते में ट्रांसफर होते रहेंगे पैसे
- » कहा...निकाय चुनाव के बाद शुरू होगा दूसरा चरण
- » जो पात्र महिलाएं छूटी वह फिर से कर सकेंगी रजिस्ट्रेशन

रायपुर,05जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना को लेकर बड़ी खबर है। जो पात्र महिलाएं पहले फेज में अपना नामांकन नहीं करवा पाई थीं। सरकार उनके फिर से मौका देने जा रही है। महतारी वंदन योजना का पोर्टल फिर से खोला जाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने इस बात की जानकारी दी है। लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि महतारी वंदन योजना का पोर्टल फिर से शुरू किया जाएगा। जो पात्र महिलाएं छूट गई हैं उनको फिर से जोड़ा जाएगा।

क्या कहा मंत्री ने

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले के दौरे पर थीं। यहां वह मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत आयुष कॉलेज परिसर मरवाही में 148 जोड़ें परिणय जोड़े के शादी समारोह में शामिल होने पहुंचीं थीं। मीडिया से चर्चा करते हुए मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा-ऐसा पहली बार हुआ है कि 70 साल महिलाओं के खाते में एक हजार रुपये महीना भेजा जा रहा है। महतारी वंदन योजना की 11 वीं किस्त जारी कर दी गई है। विपक्ष कहता है कि महतारी वंदन योजना केवल चुनाव तक के लिए है उसके बाद बंद कर दिया जाएगा जबकि सच्चाई यह है कि जब तक बीजेपी की सरकार रहेगी महिलाओं के खाते में पैसे ट्रांसफर होते रहेंगे। वहीं, योजना के दूसरे फेज को लेकर उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना का पोर्टल निकाय चुनाव के बाद फिर से खोला जाएगा। जो पात्र महिलाएं छूट गई थीं वह अपना आवेदन कर पाएंगी और उनको इस योजना का लाभ मिलेगा। बता दें कि महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ मं मार्च 2024 में पीएम मोदी ने शुरू की थी। इस योजना के अंतर्गत पात्र महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये दिए जाते हैं।

वन अफसर चढ़ा पुलिस के हत्थे

पत्रकार को दी थी जान से मारने की धमकी...

रायपुर,05जनवरी 2025(ए)। पत्रकार को जान से मारने की धमकी देने वाले वन विभाग के अधिकारी नरेश चंद्र देवनाग को रायपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सिविल लाइन थाना पुलिस ने आरोपी अधिकारी को धमतरी जिले के सिहावा से गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई तब हुई जब पत्रकार संदीप शुक्ला ने वन विभाग के चेक पोस्ट में हो रही अवैध वसूली का खुलासा किया था।धमतरी जिले में वन विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से अवैध वसूली का खेल चल रहा था, जिसमें वाहन चालकों से बिना पावती या रसीद के 20 से 50 रुपए तक की वसूली की जा रही थी। न्यूज़ चैनल ने इस घोटाले को उजागर करते हुए गुप्त कैमरे से फुटेज रिकॉर्ड किया, जिसमें यह अवैध गतिविधि स्पष्ट रूप से नजर आई।पत्रकार द्वारा इस गोरखधंधे का खुलासा करने के बाद, आरोपी अधिकारी नरेश चंद्र देवनाग ने गुस्से में आकर संदीप शुक्ला को जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है, जबकि मामले को लेकर पत्रकार समुदाय में आक्रोश है। अब पुलिस ने आरोपी अधिकारी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है।

बलौदाबाजार में ड्राइवर और हेल्पर जिंदा जले

बलौदाबाजार,05जनवरी 2025(ए)। गोंडा पुलिया के पास एक पेट्रोल-डीजल टैंकर के ट्रेलर से टकराने के बाद आग लगने से ड्राइवर और हेल्पर की मौत हो गई। हादसे में करीब 50 लाख रुपये का नुकसान होने का आंकलन किया गया है। पलारी थाना क्षेत्र में शनिवार की रात एक दिल दहलाने वाला हादसा हुआ। रायपुर से जांजगीर-चांपा की ओर जा रहे पेट्रोल-डीजल से भरे ईंधन टैंकर ने सडक़ पर बिना संकेतक खड़े खराब ट्रेलर को टक्कर मार दी। इस हादसे में टैंकर चालक छेदी पटेल (58 वर्ष) और हेल्पर कान्हा वैष्णव (22 वर्ष) की मौके पर ही जलकर मौत हो गई। टैंकर में करीब 20,000 लीटर पेट्रोल-डीजल भरा हुआ था।

लापता युवक ने खुद को जिंदा जलाया

भानुप्रतापपुर,05जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. नशे की हालत में एक युवक ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है. वहीं घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है। यह पूरी घटना भानुप्रतापपुर से लगे ग्राम बोगर की है, जहां 35 वर्षीय युवक चंद्रकुमार नेताम ने आत्महत्या के इरादे से खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आसपास के ग्रामीणों की सूचना पर भानुप्रतापपुर के स्ष्ठक्कप्रशांत पैकरा और थाना प्रभारी रामेश्वर देशमुख घटना स्थल पर पहुंचे. पुलिस शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतक चंद्रकुमार नेताम कोरर थाना क्षेत्र के बैजन पूरी का निवासी था.

बताया जा रहा है कि वह पिछले दो महीनों से अपने भाई के पास बोगर में रह रहा था और पिछले पांच दिनों से घर से गायब था. वहीं रविवार को उसने अपने भाई के घर के सामने आत्महत्या कर ली. हालांकि, आत्महत्या का कारण पता नहीं चल सका है. मृतक विवाहित था और उसके दो बच्चे भी हैं. फिलहाल, पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है।

पत्रकार मुकेश चंद्राकर के भाई ने सुरक्षित दिल्ली पहुंचाने की लगाई गुहार

रायपुर,05जनवरी 2025 (ए)। पत्रकार मुकेश चंद्राकर के भाई ने सुरक्षित दिल्ली पहुंचाने की एक बार फिर गुहार लगाई है। सोशल मीडिया में युकेश चंद्राकर ने लिखा, कुछ काम है जो भाई करना चाहता था। जब मैं ये बताऊंगा तो फिर कोई मुझसे नहीं पूछ सकेगा कि मैं क्यों रहा हूं ? कोई मुझे चुप कराने नहीं आएगा कि चुप हो जाओ, परिवार को संभालना है तुम्हें ! यही बताने के लिए पूरे देश से, समस्त विश्व से भीख मांग रहा हूं कि सुरक्षित दिल्ली तक पहुंचाकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करवा सकें तो करवा दें । किसी भी पटल पर मुझे न तो मेरा नाम चाहिए,न चेहरा चाहिए न तो मुझे ये जीवन ही चाहिए !

मेरे भाई का सपना पूरा करने में मदद की भीख मांग रहा हूं पूरे संसार से ! उसके बाद जिन जिन को भी मेरे भाई की जिंदगी के बारे में जानना हो, मैं सभी को बताऊंगा, जो कुछ भी मैं जानता हूं मेरे भाई के बारे में, सबकुछ बताऊंगा । बस मुझे सुरक्षित दिल्ली पहुंचा सकें तो गिड़गिड़ा रहा हूं आप सबके सामने, ये कोई पोस्ट नहीं है, ध्यान दें मदद की गुहार है आप सबसे...।

विधायक निवास में सुरक्षा दे रहे जवान को बेरहमी से पीटा

रायगढ़,05जनवरी 2025 (ए)। खरसिया विधायक की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात सीएएफ के जवान के साथ मारपीट करने की घटना घटित हुई है। विधायक बंगला के सामने गाली गलौज करने से मना करने पर 3 युवकों ने सीएएफ जवान को लात-घूसों से मारा है। घटना कोतरा रोड थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक उत्तर प्रदेश के जिला भदोही के ग्राम कोडीकला का रहने वाला विमलेश कुमार 32 साल सीएएफ 8-बीएन बटालियन डी कंपनी पुलिस लाईन उर्दना में आरक्षक के पद पर पदस्थ है। विमलेश कुमार को करीब डेढ़ माह से खरसिया विधायक उमेश पटेल के गृह निवास नंदेली में सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात

किया गया है। शुक्रवार की रात 12 बजे से 3 बजे तक विमलेश संत्री ड्यूटी पर तैनात था।
तभी रात करीब साढ़े 12 बजे गांव के तालाब की ओर से शिवा यादव, शनि यादव एवं भुरू केशरवानी आए और विधायक बंगला के सामने जोर-जोर से गाली गलौज कर रहे थे। तब विमलेश ने उन्हें गाली-गलौज करने से मना किया, तो शिवा यादव, शनि यादव व भुरू ने विमलेश के साथ गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर लात घूसों से उसकी जमकर पीटाई कर दी।इससे विमलेश के पीट व शरीर के अन्य हिस्से पर चोट पहुंची। घटना के बाद विमलेश ने मामले की सूचना कोतरा रोड थाना में दी। जहां पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 115(2)-बीएनएस, 121- बीएनएस,, 132-बीएनएस,, 221- बीएनएस,, 296(बी)-बीएनएस, 3(5)-बीएनएस 351(2)-बीएनके तहत अपराध कायम कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

नक्सलियों ने युवक को उतारा मौत के घाट

पखांजूर,05जनवरी 2025(ए)। मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ से नक्सवाद को खत्म करने के लिए सुरक्षाबलों की ओर से लगातार कार्रवाई की जा रही है। इससे नक्सली अब बैकफूट पर आ गए हैं। तमाम बड़े लीडरों को सुरक्षाबलों ने मार गिराया है। इससे नक्सली बौखला गए हैं और आम नागरिकों को निशाना बनाकर दहशत फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। इसी बीच अब पंखाजूर इलाके से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां नक्सलियों ने एक युवक की हत्या कर दी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार पूरा मामला छोटेबेठिया थाना क्षेत्र का है। जिस युवक की नक्सलियों ने हत्या की है, वह टेकामेटा गांव का रहने वाला था। नक्सलियों ने युवक से पुलिस मुखबिरी का आरोप लगाया है। युवक की हत्या के बाद से इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची हुई है।

अबूझमाड़ मुठभेड़ में 4 नक्सली ढेर

जवान भी शहीद,सीएम साय ने कहा-नक्सलवाद खात्मे तक लड़ाई जारी रहेगी

दंतेवाड़ा,05जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों को खत्म करने के लिए केंद्र व राज्य सरकार जुट गई हैं। इसी क्रम में अबूझमाड़ में एक हजार से ज्यादा जवान सर्चिंग कर रहे हैं। सर्चिंग के दौरान ही नक्सलियों से आमना-सामना हो गया। दंतेवाड़ा और नारायणपुर जिले की सीमा पर अबूझमाड़ के जंगल में पुलिस-नक्सलियों के बीच हुई इस मुठभेड़ में जवानों ने 4 माओवादियों को भी मार गिराया है। वहीं, डीआरजी जवान प्रधान आरक्षक सन्नू कारम शहीद हो गए हैं।सर्चिंग के दौरान जवानों ने मौके से सभी नक्सलियों के शव और एके 47, एसएलआर जैसे हथियार बरामद किए हैं। इसकी पुष्टि बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने की है। इस मठभेड़ के बाद इलाके में सर्चिंग और बढ़ा दी गई है। शहीद जवान सन्नू कारम एक आत्मसमर्पित नक्सली थे। कुछ साल पहले ही उन्होंने नक्सलवाद छोड़ दिया था और पुलिस में भर्ती हुए थे, जहां उनकी पोस्टिंग दंतेवाड़ा में हुई थी।जानकारी के अनुसार शनिवार देर रात 4 जिले के 1 हजार जवानों ने नक्सलियों के कोर इलाके को घेर लिया था। दोनों तरफ से रुक-रुककर गोलीबारी हुई। इस ऑपरेशन में दंतेवाड़ा, नारायणपुर, कोंडागांव और बस्तर जिले की डीआरजी और एसटीएफ की टीम को भेजा गया था। जवान अब भी मौके पर ही मौजूद हैं। इस मुठभेड़ की पूरी जानकारी जवानों के लौटने के बाद ही पता चलेगाइस मुठभेड़ में डीआरजी के जवान के शहीद होने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शोक जताया है। सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा कि डीआरजी के जवान प्रधान आरक्षक सन्नू कारम के शहीद होने की भी दुःखद खबर प्राप्त हुई है। उनका यह बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा, नक्सलवाद के खिलाफ सुरक्षाबल के जवान बहुत ही मजबूती से लड़ाई लड़ रहे हैं, और उसके खात्मे तक यह लड़ाई जारी रहेगी। नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिले के सीमावर्ती दक्षिण अबूझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षाबलों की नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में अब तक 4 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)